राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण मंगलवार,30 जुन2020 वर्ष–2, अंक –117 पृष्ठ–09 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पत्नी का चूड़ी और सिंदूर से इनकार, मतलब उसे विवाह नहीं स्वीकार तलाक की याचिका मंजूर करते हुए गुवाहाटी हाईकोर्ट ने की टिप्पणी

गुवाहाटी(एजेंसी)। गुवाहाटी हाई कोर्ट ने तलाक के एक मामले में अजीब फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि अगर विवाहिता हिंदू रीति रिवाज के अनुसार शाखा चूड़ियां और सिंदूर लगाने से इनकार करती है तो यह माना जाएगा कि विवाहिता को शादी अस्वीकार है। यह टिप्पणी हाई कोर्ट ने एक पति द्वारा दायर की गई तलाक की याचिका मंजूर करते हुए की। जस्टिस अजय लांबा और जस्टिस सौमित्र सैकिया की डबल बेंच ने कहा कि इन परिस्थितियों में अगर पति को पत्नी के साथ रहने को मजबूर किया जाए तो यह उसका उत्पीड़न माना जा सकता है। हाईकोर्ट से

पहले फैमिली कोर्ट ने पति की तलाक याचिका खारिज कर दी थी। फरवरी 2012 में इस कपल की शादी हुई थी। पति ने आरोप लगाया कि शादी के एक महीने बाद ही पत्नी उसके ऊपर परिवार से अलग रहने का दबाव बनाने लगी। उसने कहा कि वह जॉइंट फैमिली में नहीं रहना चाहती। पति ने आरोप लगाया कि उसने परिवार से अलग होने से इनकार किया तो दोनों के बीच झगड़े होने लगे।

पत्नी ने गर्भ भी धारण नहीं किया। पति ने कोर्ट में कहा कि पत्नी ने 2013 में उसका घर छोड़ दिया।

उसके और उसके घरवालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी। हालांकि पति और उसके रिश्तेदारों को बाद में पत्नी की ओर से लगाए गए आरोपों से हाईकोर्ट ने बरी कर दिया था। पति ने क्रूरता का हवाला देते हुए पत्नी से तलाक लेने की अलग याचिका दायर की। फैमिली कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया था।

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सीबीआई करेगी पुलिस हिरासत में पिता पुत्र की मौत की जांच, केस से जुड़े 4 पुलिसकर्मी सस्पेंड

तमिलनाडु(एजेसी)। तमिलनाडु के तूतीकोरिन में पुलिस हिरासत में एक पिता और बेटे की मौत के मामले की जांच सीबीआई से कराई जाएगी। ज्ञात हो कि जयराज (59) और उनके बेटे बेनीक्स (31) की पिछले दिनों पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। उन्हें 19 जून को लॉकडाउन आदेश के तहत निर्धारित समय के कुछ ज्यादा देर तक दुकान खोलने के अपराध में पुलिस ने हिरासत में लिया था। इस घटना का पूरे

देश में विरोध हुआ था। लोगों ने इस मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग थी।

पुलिस हिरासत में हुई पिता और बेटे की मौत ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। विवाद के राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ने के बाद तमिलनाडु सरकार ने इस मामले की जांच सीबीआई से कराने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार इस मामले को सीबीआई को सौंपने से पहले मद. ास उच्च न्यायालय से इजाजत लेगी फिर सीबीआई को ट्रांसफर कर देगी।

मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी के मुताबिक यह विवाद काफी गंभीर है जिसको देखते हुए सरकार ने सीबीआई जांच कराने का निर्णय लिया है। इस घटना से जुड़े चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही सरकार ने पिता और बेटे के परिवार को 25 लाख रुपए मुआवजा देने की बात कही है।

इस मामले से जुड़े चार पुलिसकर्मियों को सस्पेंड़ कर दिया गया है। इस मामले का काफी विरोध हो रहा है।

यहां तक की बॉलीवुड स्टार्स तापसी पन्नू, रितेश देशमुख, जेनेलिया डीसूजा, वीर दास और प्रियंका चोपड़ा तक ने इस मामले में न्याय की मांग की है।

बेटी के जन्म पर पिता ने अस्पताल में किया हंगामा

मुंबई (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के अस्पताल में एक व्यक्ति ने बेटी पैदा होने की वजह से अपनी पत्नी को जान से मारने की धमकी दी और नशे की हालत में अस्पताल में हंगामा मचाया।

पुलिस ने कहा कि आरोपी कृष्ण काले ने डॉक्टरों और अन्य कर्मचारियों को गालियां दी और जब एक कर्मचारी ने कृष्ण काले को रोकने की कोशिश की तो उसने कर्मी पर पत्थर से हमला कर दिया।

पुलिस ने बताया कि यह घटना पुणे के बारामती कस्बे के दोर्लेवाडी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हुई।

बाद में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

बारामती पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक ने बताया कि काले 25 जून को अस्पताल आया और उसने बेटी जन्म देने को लेकर पत्नी से गाली–गलौच कर जान से मारने की धमकी दी।

व्यक्ति ने डॉक्टरों और अन्य कर्मियों को भी गालियां और धमकियां दी।अधिकारी ने बताया कि इसके बाद अस्पताल से चला गया, लेकिन 26 जून को वह नशे की हालत में फिर अस्पताल आया और उत्पात मचाना शुरू कर दिया। अस्पताल के कर्मी ने उस रोकने की कोशिश की,तब उसने व्यक्ति के सिर पर कथित तौर पर पत्थर से हमलाकर उस घायल कर दिया। काले को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया और उस पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

गृह मंत्री शाह ने जयशंकर और पीयूष गोयल से की मुलाकात, चीन मुद्दे पर हुई बात

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक में इन तीन मंत्रियों के बीच हुई चर्चा के विषयों के बारे में तत्काल पता नहीं चल सका है। लद्दाख में भारतीय और चीनी सेना के बीच चल रहे गतिरोध के बीच यह बैठक हुई है।

देश की सेवा करना चाहता है अभिनव ,95 प्रतिशत अंकों के साथ साम्बा जिले में अव्वल

साम्बा । जम्मू-कश्मीर स्टेट बोर्ड जम्मू संभाग के 12वीं कक्षा के गत दिवस घोषित हुए परिणाम में अभिवन शर्मा जिले के लडक़ों में अव्वल रहे हैं। जिला के विजयपुर सबडिविजन के गाँव गुड़वाल के रहने वाले अभिनव शर्मा साईंस विषयों में 95 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। 500 में से 474 अंक हासिल कर के जिले के लडक़ों में टॉप पर रहे अभिनव का कहना है कि वह एनडीए पास कर सेना अधिकारी के तौर पर देश की सेवा करना चाहता है। जिले में पहले नंबर पर रहे अभिनव ने 12वीं में शानदार प्रदर्शन कर परिवार के साथ-साथ इलाके का भी नाम रोशन किया है। साईंस स्ट्रीम में 95 प्रतिशत अंक लाने पर उसके पिता शाम लाल शर्मा व माँ अनिता शर्मा सहित तमाम परिजन बेहद खुश हैं। समाजसेवी विजय सिंह जसरोटिया व ओम प्रकाश अत्तरी ने भी जिले के टॉपर का मुंह मीठा करवाया और घर जा कर बधाई दी। अभिनव ने भी अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व अध्यापकों को दिया है। अभिनव की सफलता पर उसके परिवार वालों के साथ साथ रिश्तेदारों व पड़ोसियों ने उसको मुँह मीठा करवा कर बधाई दी व आगे बढने का आर्शीवाद दिया।

मुठभेड़ में हिजबुल के आतंकवादी के मारे जाने के बाद डोडा आतंकवाद मुक्त हो गया है: पुलिस

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में हिजबुल मुजाहिदीन के एक आतंकवादी के मारे जाने के बाद डोडा जिला आतंकवाद मुक्त हो गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा, अनंतनाग के खुल चोहार में अनंतनाग पुलिस ने 19 आरआर सीआरपीएफ के साथ मिलकर लश्कर के दो आतंकवादियों और हिजबुल मुजाहिदीन के कमांडर मसूद को ढेर कर दिया। डोडा जिला अब पूरी तरह आतंकवाद मुक्त क्षेत्र बन गया है क्योंकि मसूद वहां सक्रिय आखिरी आतंकवादी था। प्रवक्ता ने कहा कि डोडा का रहने वाला मसूद जिले में बालात्कार के एक मामले में आरोपी था और तभी से फरार था।

बाल बाल बचे एनसीपी प्रमुख शरद पवार, काफिले का पलटा वाहन

नेशनल डेस्क। मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे पर सोमवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार के काफिले का एक वाहन पलट गया। इस हादसे में एक पुलिसकर्मी मामूली रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि पवार पुणे से मुंबई जा रहे थे, उसी दौरान ब्रिटिशकालीन अमृतांजन पुल के समीप एक स्थान पर उनके काफिले का एक वाहन सड़क से फिसलकर पलट गया। लोनवाला के समीप स्थित 190 साल पुराने इस पुल को अप्रैल में नियंत्रित धमाकों के माध्यम से तोड़ा गया था। पार्टी के एक कार्यकता ने बताया कि पवार अपनी गाड़ी से उतरे और वह घायल पुलिसकर्मी की चिकित्सा सहायता के समय मौजूद रहे। फिर वह मुंबई रवाना हो गये। घायल पुलिसकर्मी उनकी विशेष सुरक्षा इकाई का हिस्सा था। राजमार्ग पुलिस ने बताया कि संबंधित वाहन को घटनास्थल से तत्काल हटाया गया और एक्सप्रेस-वे पर यातायात शीघ्र बहाल हो गया। पार्टी के एक कार्यकता ने बताया कि पवार अपनी गाड़ी से उतरे और वह घायल पुलिसकर्मी की चिकित्सा सहायता के समय मौजूद रहे। फिर वह मुंबई रवाना हो गये। घायल पुलिसकर्मी उनकी विशेष सुरक्षा इकाई का हिस्सा था। राजमार्ग पुलिस ने बताया कि संबंधित वाहन को घटनास्थल से तत्काल हटाया गया और एक्सप्रेस-वे पर यातायात शीघ्र बहाल हो गया।

शिवसेना की यूपी और बिहार को नसीहत- अपने राज्यों को बनाएं स्मार्ट, ताकि मुंबई में हो भीड़ कम

नेशनल डेस्क ।

मुंबई में भीड़ कम करने संबंधी केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की टिप्पणी पर निशाना साधते हुए शिवसेना ने सोमवार को कहा कि अगर उत्तर प्रदेश और बिहार में पुणे और मुंबई जैसे स्मार्ट शहर बना लिए जाएं तो देश की आर्थिक राजधानी का जनसंख्या घनत्व अपने आप कम हो जाएगा। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में प्रकाशित एक संपादकीय में दावा किया गया है कि लॉकडाउन के दौरान अपने गृह प्रदेशों को गए करीब 1.50 लाख प्रवासी मजदूर महाराष्ट्र लौट आए हैं क्योंकि उनके पास वहां कोई काम नहीं है। इसमें यह भी दावा किया गया कि मुंबई देश के राजकोष में महत्त्वपूर्ण योगदान देता है लेकिन ष्टश्र1द्बस्न-19 के खिलाफ जंग में उसे केंद्र से उचित आर्थिक सहायता नहीं प्राप्त हुई। गडकरी ने कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों का संदर्भ देते हुए पिछले महीने कहा था कि मुंबई से भीड़ कम करने की जरूरत है क्योंकि घनी आबादी वाला यह शहर विनाशकारी परिणामों का सामना कर रहा है। इसके जवाब में शिवसेना ने सोमवार को कहा कि अगर आप उत्तर प्रदेश और बिहार में मुंबई और पुणे जैसे स्मार्ट शहर बना लें तो इन दोनों शहरों का जनसंख्या घनत्व अपने आप कम हो जोगा। पहले उन राज्यों में रोजगार पैदा करना होगा। मराठी दैनिक ने कहा कि अगर ये राज्य ज्यादा से ज्यादा अवसंरचाएं खड़ी करें तो गडकरी की चिंता का अपने आप समाधान हो जाएगा। तो गडकरी की चिंता का अपने आप समाधान हो जाएगा। शिवसेना ने कहा कि करीब 1.50 लाख प्रवासी मजदूर लॉकडाउन के दौरान फिर महाराष्ट्र लौट आए हैं। उनके गृह राज्यों में उनके लिए कोई रोजगार नहीं है। इसका कारण यह है कि उन राज्यों में विकास अब तक नहीं पहुंचा है। संपादकीय में कहा गया कि लॉकडाउन के दौरान करीब सात से आठ लाख प्रवासी मजदूर मुंबई से उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा गए। उद्धव ठाकरे नीत पार्टी ने कहा कि करीब तीन लाख लोग पुणे से गए और अब उन्होंने वापस आना शुरू कर दिया है। इसी कारण मुंबई और पुणे पर बोझ बढ़ रहा है। सामना में लिखा गया कि यह साफ तौर पर दिखाता है कि कोरोना वायरस के खतरे से ऊपर भूख का खतरा है। लोग जोखिम लेने के लिए तैयार हैं और नौकरी की तलाश में सफर कर रहे हैं। शिवसेना ने पूछा कि केंद्र सकार ने जून 2015 में 'स्मार्ट सिटी' मिशन शुरू किया था लेकिन इतने वर्षों में कितने शहर स्मार्ट सिटी बने?

ड्यूटी के दौरान डॉक्टर की कोरोना से मौत, केजरीवाल परिवार को देंगे 1 करोड़ रुपए

नेशनल डेस्क ।

दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने महानगर के सरकारी अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर की कोरोना से मौत पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवार के लिए एक करोड़ रुपए की मुआवजा राशि देने का ऐलान किया। केजरीवाल ने कहा कि समाज ने एक अमूल्य योद्धा खो दिया है। सरकारी अस्पताल के 52 वर्षीय डॉक्टर ष्टश्र1द्बस्न-19 के इलाज के लिए ड्यूटी पर तैनात थे और रविवार को एक निजी अस्पताल के आईसीयू में उनकी मौत हो गई। केजरीवाल ने कहा कि डॉक्टर असीम गुप्ता वरिष्ठ डॉक्टर थे और पिछले कुछ महीनों से ष्टश्र1द्बस्न-19 मरीजों का आईसीयू में इलाज कर रहे थे। उनके सहकर्मी उनके समर्पण की भावना और मरीजों को देखने की उनकी प्रतिबद्धता की प्रशंसा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि डॉक्टर की पत्नी (खुद भी डॉक्टर) भी कोविड-19 से संक्रमित हो गई थीं, लेकिन अब वह स्वस्थ हो चुकी हैं। दिल्ली

सीएम ने कहा कि उनके जैसे लोगों की वजह से ही हम ष्टश्र1द्बस्न-19 से लड़ने में सक्षम हैं। वह हमारे लिए बड़े प्रेरणास्त्रोत हैं और हम मानवता की सेवा की उनकी भावना के सामने नतमस्तक हैं। सम्मान के तौर पर दिल्ली सरकार डॉक्टर गुप्ता के परिवार को एक केजरीवाल ने कहा कि यह किसी के अमूल्य जीवन के लिए छोटी राशि है। यह राशि दिल्ली सरकार द्वारा देश की जनता केजरीवाल ने कहा कि यह किसी के अमूल्य जीवन के लिए छोटी राशि है। यह राशि दिल्ली सरकार द्वारा देश की जनता केजरीवाल ने कहा कि यह किसी के अमूल्य जीवन के लिए छोटी राशि है। यह राशि दिल्ली सरकार द्वारा देश की जनता और दिल्ली के लोगों की तरफ से डॉक्टर द्वारा की गई सेवा के लिए दी जाएगी। उप राज्यपाल अनिल बैजल ने भी ट्वीट करके डॉक्टर के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अस्पताल के डॉक्टर असीम गुप्ता की मौत से दुखी हूं, जो के खिलाफ लगातार अपनी सेवा दे रहे थे। वह बड़े योद्धा थे जिन्होंने अग्रिम मोर्चे पर काम कर रहे डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को गर्व करने का अवसर दिया है। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं।

कांग्रेस के आरोप पर मायावती का पलटवार- बसपा किसी के हाथ का खिलौना नहीं

लखनऊ।

कांग्रेस द्वारा लगाए जा रहे आरोप पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने पलटवार किया है। उन्होंने दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि बसपा किसी भी पार्टी के हाथ का खिलौना नहीं है। साथ ही ये भी कहा कि हमारी पार्टी एक नेशनल पार्टी है जो डॉ. अंबेडकर की विचारधारा के साथ समाज के दबे, कुचले और निचले तबके के लिए काम करती है। मायावती ने कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस होती है तो भाजपा के लोग कहते हैं कि हमारी पार्टी कांग्रेस के हाथ का खिलौना है और जब भाजपा सत्ता में होती है तो कांग्रेस वाले कहते हैं कि बसपा, भाजपा के हाथ का खिलौना है। मैं दोनों पार्टियों को बता देना चाहती हूं कि बसपा किसी भी पार्टी के हाथ का खिलौना नहीं है। बसपा स्वतंत्र और नेशनल पार्टी है। जिन लोगों के हित में यह पार्टी बनी है उनके हित के लिए कार्य कर रही है। जहां तक समर्थन की बात है तो मैं बता देना चाहती हूं कि देश हित में जिस भी पार्टी ने सही फैसला लिया है हमने हमेशा उस पार्टी का साथ दिया है, फिर वह कांग्रेस हो या फिर भाजपा। गौरतलब है कि मायावती ने केंद्र सरकार की कई बातों का समर्थन खुले मंच से किया है। जममू कश्मीर से धारा-370 हटाने का फैसला हो या फिर अब चीन के खिलाफ केंद्र का समर्थन। मायावती के इसी समर्थन की वजह से कांग्रेस आरोप लगा रही है कि मायावती, भाजपा की प्रवक्ता की तरह काम कर रही हैं।

गर्वनर आनंदीबेन पटेल को मिली बड़ी जिम्मेदारी, संभालेंगी मध्यप्रदेश का अतिरिक्त कार्यभार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को मध्य प्रदेश के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। राष्ट्रपति की आधिकारिक वेबसाइट पर इस आशय की सूचना रविवार शाम दी गई। मध्यप्रदेश के राज्यपाल लालजी टंडन की अस्वस्थता के चलते श्रीमती पटेल को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। विज्ञप्ति के अनुसार राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मध्यप्रदेश के राज्यपाल लालजी टंडन की अनुपस्थिति में उत्तर प्रदेश की गर्वनर आनंदीबेन पटेल को उत्तर प्रदेश के अलावा मध्यप्रदेश के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश के राज्यपाल लालजी टंडन पेशाब में संक्रमण समेत अन्य स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों के कारण लखनऊ मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

गांवों में इलाज

कोरोना के समय भारतीय चिकित्सा क्षेत्र की खामियों की चर्चा स्वाभाविक ही है। चिकित्सक, अस्पताल, दवाई, संसाधन इत्यादि से जुड़ी कमियां एक-एक कर सामने आ रही हैं। शहरों में भी डॉक्टरों और सुविधाओं की कमी आए दिन सामने आती रहती है, लेकिन इन दिनों एक रिपोर्ट खास चर्चा में है। यह रिपोर्ट बताती है कि भारत के गांवों में मेडिकल प्रैक्टिस करने वाले तीन में से दो के पास न तो यथोचित डिग्री है और न कोई विधिवत प्रशिक्षण। वे जरूरी ज्ञान के बिना ही लोगों की जान से खेल रहे हैं। कोई आश्चर्य नहीं, हमारे गांवों में बीमारी और मृत्यु दर बहुत ज्यादा है। जाहिर है, सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा के अभाव के कारण ही निजी क्षेत्र में कथित डॉक्टरों का स्याह साम्राज्य फैल गया है। चर्चा में आई सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च की रिपोर्ट 2009 के अध्ययन पर आधारित है, जिसे देश के 19 राज्यों के 1,519 गांवों में अंजाम दिया गया था। रिपोर्ट बताती है, महज 75 प्रतिशत गांवों में ही कोई एक कथित चिकित्सा सेवक मौजूद है और एक गांव में औसतन तीन ऐसे कथित चिकित्सा सेवक होते हैं। इनमें से 86 प्रतिशत निजी डॉक्टर हैं और 68 प्रतिशत को किसी तरह का औपचारिक प्रशिक्षण भी नहीं मिला है। आज कोई यह कह सकता है कि ये आंकड़े 2009 के हैं, पर विश्व स्वास्थ्य संगठन की 2016 की एक रिपोर्ट भी ऐसी ही तस्वीर की ओर इशारा करती है। खतरनाक तथ्य यह भी है कि इन कथित डॉक्टरों या झोलाछाप में से 31.4 प्रतिशत स्कूल से आगे नहीं पढ़े हैं। लोगों के बीच अशिक्षा व गरीबी का आलम ऐसा है कि वे हर इलाज के लिए गांव से शहर नहीं जा सकते। ऐसे में, वे गांवों में मौजूद झोलाछाप पर निर्भर होकर खतरा उठाते हैं। एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी सामने आया है कि महज डिग्री होने से ही इलाज में महारत हासिल नहीं हो जाती। तमिलनाडु और कर्नाटक में जो अनौपचारिक चिकित्सा सेवक थे, उनकी योग्यता बिहार व उत्तर प्रदेश के अनेक प्रशिक्षित डॉक्टरों से भी बेहतर पाई गई। दक्षिण के राज्यों में चिकित्सा की अपेक्षाकृत ठीक स्थिति इसलिए भी है, क्योंकि वहां अनौपचारिक सेवक किसी औपचारिक डॉक्टर के पास वर्षों तक काम करके सीखते हैं, जबकि उत्तर के राज्यों में थोड़ी-बहुत जानकारी होते ही मरीजों की सेहत से खिलवाड़ शुरू हो जाता है। केरल एक बेहतर अपवाद है, जहां शिक्षा व जागरूकता ज्यादा होने के कारण झोलाछाप डॉक्टरों की संख्या समय के साथ कम होती गई है। कोरोना ने जता दिया है कि ग्रामीण इलाकों में पारंगत डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाने के तमाम उपाय युद्ध स्तर पर आजमाने होंगे। नए डॉक्टरों को कुछ वर्ष गांवों में सेवा के लिए बाध्य करना होगा। ऐसे उपाय कुछ राज्यों ने कर रखे हैं, इसकी कड़ाई से पालना जरूरी है। कुछ वर्ष गांव में काम करने वाले डॉक्टरों को तरजीह देने की जरूरत है। जो लड़के गांव से निकलकर डॉक्टर बने हैं, उन्हें भी अपने गांवों को झोलाछाप के भरोसे नहीं छोड़ना चाहिए। ग्रामीण पृष्ठभूमि से जुड़े डॉक्टरों को प्रोत्साहित करना चाहिए। ऐसे प्रावधान करने चाहिए कि वे कहीं और सेवा या नौकरी में रहते हुए भी महीने या साल में कुछ-कुछ दिन अपने गांव जाकर सेवा कर सकें। हमारे गांव अच्छे डॉक्टरों के लिए तरस रहे हैं, उनके इंतजार को जल्द से जल्द खत्म करना सरकार ही नहीं, बल्कि चिकित्सा संगठनों-संस्थानों का भी कर्तव्य है।

आज के ट्वीट

ठेका

लो जी अब बिहार सरकार ने पटना में गंगा नदी पर पुल बनाने वाली चीनी कंपनियों का ठेका रद्द कर दिया है। राजस्थान और महाराष्ट्र में भी ऐसा कुछ होगा क्या?

-- अर्णव गोस्वामी

अब की बार मेहनतकशों की 'काम वापसी'

क्षमा शर्मा

आज मशहूर लेखक राजेंद्र राव जी से बात हुई। करीब महीनेभर पहले भी हुई थी। विषय था—मजदूरों की वापसी। तब उन्होंने कहा था कि सारी गाड़ियां भरकर जा रही हैं। मजदूर वापस जा रहे हैं। वे गांवों की तरफ आए थे, लेकिन जल्दी ही उन्हें पता चल गया कि यहां आसानी से गुजर-बसर होना मुश्किल है। आज बातचीत में उन्होंने और दिलचस्प बातें बताईं। कहा कि कानपुर में लॉकडाउन के बाद जब फैक्टरियां खुली हैं तो मजदूरों को कम्पनियां वापस बुला रही हैं। नयों की भर्ती से बेहतर है, उन्हें ही दोबारा काम पर रखा जाए, जो काम जानते हैं। काम के तौर-तरीके समझते हैं। छत्तीसगढ़ और बिहार से उन्हें वापस बुलाने के लिए मालिकों ने बसें भेजी हैं। उनके अकाउंट में पैसे ट्रांसफर किए हैं। एक अनुमान के अनुसार करीब दस लाख मजदूर वापस आए हैं। यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। देश के अन्य भागों से भी ऐसी ही खबरें आ रही हैं। मुम्बई की एक फार्मा कम्पनी ने मजदूरों को बुलाने के लिए हवाई जहाज के टिकट भेजे हैं। कई कम्पनियों ने रेल और बस के टिकट भेजे हैं। वे इनके रहने, खाने, आवास और सुरक्षा का भी बंदोबस्त कर रही हैं। यही नहीं, जिन गांवों की तरफ ये गए हैं, वहां के प्रधानों से बात की जा रही है। अधिकारियों से सम्पर्क कर इन्हें वापस भेजने का आग्रह किया जा रहा है। दरअसल, मजदूरों का दोहरा मोहभंग हुआ है। पहले वे मुसीबत देखकर, शहरों से भागे। लेकिन गांवों में भी उनके साथ बहुत बुरा व्यवहार किया गया। दिल दहलाने वाली तस्वीरें आईं। किसी युवक ने क्वारंटाइन का चौदह दिन का समय काटने के लिए पेड़ का सहारा लिया तो कोई औरत अपने दुधमुंहे के साथ गांव से बाहर खेत में पड़ी दिखाई दी। गांव वालों ने गांवों के बाहर बाड़ लगा दी, जिससे कि बाहर से आने वाले, चाहे अपने गांव के ही क्यों न हों, अंदर न घुस सकें। बहुत से लोगों को चौदह दिन के क्वारंटाइन के लिए स्कूलों में ठहराया गया। जहां कई स्थानों पर रहने, खाने, यहां तक कि पानी की व्यवस्था नहीं थी। बहुत से गांवों में तो स्कूल भी नहीं थे। ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों की समस्याओं पर काम करने और डेवलपमेंट सेक्टर से जुड़ी स्वस्ति का कहना है कि गांवों में मजदूरों की कद्र इसलिए भी नहीं हुई कि पहले जब वे वार, त्योहार छुट्टियों में गांव जाते थे, तब वे घर के सब लोगों के लिए छोटे-मोटे उपहार लेकर जाते थे। जेब में थोड़ा-बहुत पैसा भी होता था। फिर घरवालों को यह भी पता होता था कि वे थोड़े दिनों के लिए ही आए हैं। जल्दी ही वापस चले जाएंगे। इन दिनों तो जो जैसा बैठा था, वैसे ही भागा। खाली हाथ। बिना किसी सामान और उपहार के। गांव में रहने वाले परिजनों को लगा कि वे बोझ की तरह आ गए। पता नहीं वापस जाएंगे भी कि नहीं। संसाधनों की कमी के कारण रहने, खाने-पीने की दिक्कत भी होने लगी। शहर से परायों का अपमान झेलकर घर की तरफ दौड़े थे। गांव में अपनों की उपेक्षा और तिरस्कार को झेल नहीं सके। फिर यह भी कि अगर कम्पनियां वापस बुला रही हैं, नौकरी का भरोसा दे रही हैं, सुख-सुविधाओं का ध्यान रख रही हैं, तो चले ही जाएं। कल पता नहीं क्या हो। आज तो घर बैठे नौकरी के लिए बुलाया जा रहा है, कल मिले न मिले। सच है, गांव में तो वैसे ही कोई रोजगार नहीं। अगर रोजी-रोटी का साधन होता, रोजगार होते, जरूरतें पूरी हो सकतीं तो गांव से शहरों की तरफ आते ही क्यों। गांवों में ज्यादा से ज्यादा मनरेगा का काम मिल सकता है, वह भी हमेशा के लिए नहीं मिलता और सबको नहीं मिलता। बच्चों की पढ़ाई-लिखाई की भी कोई उचित व्यवस्था नहीं। हालांकि, ऐसे भी बहुत से चित्र दिखे, जहां मजदूर रुके, उन स्थानों की उन्होंने तस्वीर ही बदल दी। सीकर के एक स्कूल में जहां वर्षों से रंग-रोगन नहीं हुआ था, उसे श्रमिकों ने चमका दिया और बदले में पैसे भी नहीं लिए। ग्रेटर नोएडा के एक गांव के बाहर एक बड़े पार्क की न केवल साफ-सफाई की बल्कि पेड़-पौधे भी लगाए। इन सभी मेहनतकशों का कहना था कि वे खाली नहीं बैठ सकते। साथ ही अपने शरीर को इतना आराम भी नहीं देना चाहते कि वह काम करना ही भूल जाए। जब से तकनीक का हमारे जीवन में प्रवेश हुआ, तब से उसे जादू की छड़ी समझा गया। मान लिया गया कि अब सब कुछ इसी की मदद से हो सकता है। श्रमिकों को बिल्कुल ही भुला दिया गया। मालिकों ने भी उनकी सुख-सुविधा, उनकी पगार में बढ़ोतरी का कोई ख्याल नहीं किया। लेकिन कोरोना के कारण जब वे अपने-अपने घरों की तरफ दौड़े और इधर लॉकडाउन खुला तो पता चला कि इन तथाकथित चमकदार उद्योगों को चलाने और अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए आज भी उनकी कितनी जरूरत है। एक समय में वे फिल्मों और सीरियल्स में भी बड़ी संख्या में नजर आते थे। उनके लिए शैलेंद्र और साहिर जैसे बड़े गीतकार बेहद सुरीले गाने लिखते थे, जहां उनके परिश्रम को पहचानने की बातें होती थीं। लेकिन जैसे-जैसे हमारे जीवन में चमक-दमक बढ़ी, हमने गरीबों और मेहनतकशों से मुंह मोड़ लिया। साहित्य तक में सत्तर के दशक के मुकाबले उनकी बहुत कम जगह बची। जबकि एक जमाने में उन्हें परिवर्तन का वाहक माना जाता था। उनके श्रम की कद्र होती थी। हालांकि, मीडिया ने जिस तरह से इनका जाना दिखाया, इनके लौटने की खबरें नहीं दिखाईं। राजेंद्र राव का यह कथन बिल्कुल सच जान पड़ता है कि किसी भी आपदा में हुआ विस्थापन अक्सर अस्थायी होता है। मजदूरों का लौटना एक खुशखबरी है। कम से कम उनकी घर-गृहस्थी चल सकेगी। उनके परिवार जीवन चला पाएंगे। गांव में दाने-दाने को मोहताज होने से बेहतर है, अपना रोजगार और रोटी, पानी की जरूरत को पूरा करना। फिर से एक बार यह साबित हुआ कि ये न हों, तो शहर न चले।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

प्रणिधान

प्रणाम मीना ऊँ/ हे मानव! तू बहुत चतुर व बुद्धिमान बनता है। अत्यधिक सुख-सुविधाएं, धन साधन आदि संग्रह कर लिया। प्रकृति प्रदत्त संसाधनों का भी अपने स्वार्थ के लिए खूब दोहन कर लिया। पर कभी यह ध्यान न आया कि जब प्रकृति अपना हिसाब मांगेगी तो क्या होगा। प्रकृति का बाह्य व आंतरिक आपदाएं लाकर अपूर्णताएं संहार कर संतुलन लाने का अपना ही विधान है। बाह्य आपदाएं-भूचाल, बाढ़, तूफान, अग्नि, प्रकोप, ओलावृष्टि, भूस्खलन आदि। आंतरिक आपदाएं-आधि व्याधि ताप विषाद शारीरिक कष्ट आदि, ऐसे रोग जो भौतिक विज्ञान की पकड़ में भी ना आएं। जिस प्रकार परम चेतना का उत्थान निरंतर होता ही रहता है वैसे ही मानव बुद्धि और ज्ञान विज्ञान का भी विकास होता है। पर जब ज्ञान विज्ञान का दुरुपयोग अहम्युक्त स्वार्थी मनोबुद्धि के अनुरूप होने लगता है तो प्रकृति अपनी वो शक्ति दिखा ही देती है। जिसे समझना या नियंत्रण कर पाना मानवीय क्षमताओं से परे होता है। मानव के इस दर्प को कि वो मानव संरचना व ब्रह्मांड की प्रक्रियाओं के विज्ञान व रहस्य को समझता है एक ही झटके में धरातल पर ला पटकती है। प्रकृति के प्रचंड प्रकोप प्राय- उपाय रहित हैं क्योंकि यही प्रकृति के न्याय व छंटनी करने की शात व्यवस्था है, जिसको प्रकृति सत्यमय व सुपात्र नहीं समझेगी जिसका मानव व प्रकृति की उत्थान प्रक्रिया में कोई योगदान नहीं जानेगी उसे ले ही जाएगी। क्योंकि मानव की ईश्वर प्रदत्त गुणवत्ता का ह्रास हो गया है मानव अपनी संकुचित बुद्धि व वातावरण का दास हो गया है। जोड़-तोड़ से मनोनुकूल कार्य करवा लेना उसकी प्रवृत्ति हो गई है। स्वकेंद्रित व स्वार्थी विचारों का पुंज बन गया है मानव। धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक सभी क्षेत्रों को अपने हितों व कुटिल नीतियों अनुसार घुमा दिया है। हवस की सभी सीमाएं लांघ चुका मानव सादगी सरलता सौम्यता व सौहार्द वाला जीवन भूल ही गया है। प्रकृति ने जिसे ले जाना है उसे कोई भी ना बचा पाएगा, यही प्रारब्ध है। कर्मफल से तो कभी भी छुटकारा नहीं केवल कर्म ही कर्म को काटता है। तो हे मानव! ब्रह्मांड में सकारात्मकता से परिपूर्ण और प्रेममय भावों की सत्यम् शिवम् सुंदरम् ऐसी तरंगों को प्रवाहित कर जो सत्यमय सौन्दर्यमय हों तथा जड़ चेतन व अंतरिक्ष सबके कल्याण हेतु हों। जिससे अनुकूल वातावरण बने और प्रकृति की भांति अनुपम कृतियों के कृतित्व का मार्ग प्रशस्त हो।

क्षमा प्रसन्नता-आरोग्यता की दवा भी

दिनेश चमोला 'शैलेश'

क्षमा करने का साहस करना व क्षमा कर दिखाना, दोनों ही, सबके बूते की बात नहीं है। वास्तव में इसको कार्य रूप में परिवर्तित करने का सुअवसर विरले भाग्यशाली लोगों को ही नसीब हो पाता है। सही मायने में क्षमा का उपयोग किया जाए तो यह मनुष्य के व्यक्तित्व व महत्व को चार-चांद लगा सकती है। इसमें हिंसक जीव को अहिंसक बनाने की जादुई क्षमता है। इसमें उग्र से उग्र स्वभाव वाले व्यक्ति को भी कुछ ही क्षणों में अत्यंत सरस व सरल प्रकृति में बदलने की शक्ति भी समाई रहती है। संसार की बड़ी से बड़ी संपदा व शक्ति भी कभी वह काम नहीं कर सकती, जो पलक झपकते केवल क्षमा करने से संभव है। क्षमा करना, अपने विपक्ष में खड़े व्यक्ति या सत्ता को पस्त करने का भावनात्मक शस्त्र मात्र नहीं, बल्कि अंदर ही अंदर उसके विद्रोही मनोभावों का सामान्यीकरण कर, उसे आदर्शपूर्वक अपने पक्ष में करने का चमत्कारी शास्त्र अथवा भाव भी है। क्षमा मनुष्य को प्राप्त प्रमुख दैवीय गुण है। वस्तुतः क्षमा करने से, क्षमा किये जाने वाले व्यक्ति की दृष्टि में, क्षमा कर रहे व्यक्ति का कद स्वतः ही कई गुना अधिक बढ़ जाता है, क्योंकि वह स्वयं को अपनी ही दृष्टि में क्षमा न करने योग्य मान चुका होता है। ऐसे में जब वह अपने बड़े अपराध के लिए क्षमा किया जा रहा होता है तो उसका अहम् उसके सामने पानी भरने लग पड़ता है प्रसिद्ध पुस्तक 'हाउ टु फॉरगिव व्हेन यू कांट' में प्रसिद्ध मनोचिकित्सक, डॉ. जिम ने अपने शोधों व अध्ययनों के आधार पर यह स्पष्ट किया है कि क्षमा करने से हम बेहतर तरीके से खुद को दुखों तथा पिछली घटनाओं से छुटकारा दिला सकते हैं। क्षमा के माध्यम से हम मानसिक शक्ति अर्जित कर दूसरे के लिए भी सुख का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। वे बताते हैं किस प्रकार अक्षम्य से अक्षम्य अपराधों व बातों को कलात्मक तरीके से क्षमा करते हुए उन सारे दुखों को कैसे सुख के संसार में बदला जा सकता है। क्षमा, एक तरह से दूसरे व्यक्ति के लिए अपने मन की पनपती कड़वाहट अथवा बुराई से स्वयं को रोकने की प्रक्रिया है। एक प्रकार से यह गलत व उलटी दिशा से अपना ध्यान हटाकर किसी अच्छी जगह केंद्रित करना है। जब आप अपने विचारों की दिशा बदल देते हैं तो आपकी जीवन-दृष्टि स्वतः ही बदल जाती है। केवल दूसरों को क्षमा करना महत्वपूर्ण व बड़ी अहम बात नहीं होती है, बल्कि स्वयं को क्षमा करना उससे भी बड़ी बात है। जब आप अपने साथ अत्यंत बुरा व्यवहार करने वाले व्यक्ति को सहज रूप में, बिना किसी अपेक्षा के क्षमा कर देते हैं तो आप स्वयं को अधिक सकारात्मक व दबावमुक्त पाते हैं। किसी को क्षमा इसलिए मत करो कि वह क्षमा का पात्र है, बल्कि इसलिए करो कि आपको अपने जीवन में, परिवेश में, समाज में शांति चाहिएज सृजनात्मकता चाहिएज। यदि आप स्वयं को हर पल तरोताजा व स्वस्थ रखना व देखना चाहते हैं तो क्षमा करना सीखें। जब कोई आपकी बुराई करता है तो उसके प्रति आपके मन में नकारात्मक विचार आना स्वाभाविक है। लेकिन आपकी कुशलता इसी में है कि आप इस संकट की स्थिति से स्वयं को कैसे सुरक्षित रखते हो व दूसरे के साथ कितनी सकारात्मकता से पेश आते हो। क्षमा-दान, संत-हृदयी व्यक्ति का स्वभाव है। स्वयं भगवान श्रीराम, क्षमा आदि भावों को संतों का प्रमुख लक्षण मानते हैं। हमारे शास्त्रों में धर्म के जो 10 लक्षण बताए गए हैं उनमें धैर्य के बाद क्षमा का ही स्थान आता है। कहा भी गया है ः 'क्षमा वीरस्य भूषणम्' क्षमा करना वीरों का आभूषण है; लक्षण है। क्षमा दोनों ओर अर्थात् करने वाले व किये जाने वाले का गुणवर्द्धन करती है। वेदव्यास जी इसका सुंदर वर्णन इस प्रकार करते हैं ः क्षमा असमर्थ मनुष्य का भूषण है और समर्थों का गुण है। प्रख्यात मनोवैज्ञानिक रॉबर्ट डी. एनराइट ने अपनी पुस्तक में कष्ट व पीड़ा देने वाले व्यक्ति को उसके बदले में क्षमा कर देने का पर्याय, स्वयं के जीवन को तनाव, क्रोध व पीड़ा से मुक्त कर सुखपूर्वक बनाना व साथ ही इसे कई प्रकार की बीमारियों से बचाव करना भी माना है। उनके अनुसार क्षमा के मार्ग में आगे बढ़ने का तात्पर्य किन्हीं दूसरों के लिए नहीं, बल्कि स्वयं के लिए प्रेम व शांति के द्वार खोलना है। किसी को क्षमा करने से न केवल अपने शारीरिक रोगों का निदान संभव है बल्कि इससे चिंता, तनाव, मनोवृत्ति विषयक बीमारियों के साथ-साथ अन्य कई व्याधियों का भी उपचार स्वतः ही संभव है। अतः क्षमा करने की प्रक्रिया दूसरों से अधिक अपने लिए ही हितकारिणी है। अतीत की बुरी घटना का स्मरण मात्र जहां आपके वर्तमान की नींद उड़ा सकता है, वहीं कल को भी बाधित कर देता है। जब आप दूसरों को तत्काल क्षमा कर देते हो तो आप उतनी ही जल्दी अपने जीवन के सपनों और लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में उतने समय का सदुपयोग कर पाने में सक्षम हो जाते हो।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

खुदरा विक्रेताओं के लिए डिजिटल माध्यमों से बिक्री में तेजी बने रहने के अनुमान

नई दिल्ली। लॉकडाउन के दौरान बिक्री के लिए डिजिटल माध्यमों को अपनाने वाले खुदरा विक्रेताओं का कहना है कि इस तरह से बिक्री में तेजी आई है। उन्हें अनुमान है कि यह तेजी आगे भी बनी रहेगी क्योंकि पाबंदियों में ढील के बाद भी उपभोक्ता ऑनलाइन खरीदारी को तरजीह दे रहे हैं। कई खुदरा विक्रेता पहले खाने-पीने तथा किराने के जरूरी सामान ही ऑनलाइन माध्यमों से बेच रहे थे, उन्होंने अब बाकी सामानों को भी ऑनलाइन उपलब्ध कराना शुरू कर दिया है। वे अब कपड़े, उपकरण और इलेक्ट्रॉनिक्स के सामान आदि भी उपलब्ध करा रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, अब ऑनलाइन चैनल पारंपरिक खुदरा विक्रेताओं के लिए 'अपरिहार्य गया है और स्थानीय किराना दुकानों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिये उन्हें इस चैनल को और आगे बढ़ाना होगा, जो अब लॉकडाउन अवधि के दौरान डिजिटल तकनीकों को अपनाकर और भी स्मार्ट हो रहे हैं। ईवाई के पार्टनर एवं नेशनल लीडर (कंज्यूमर प्रोडक्ट्स एंड रिटेल) पिनाकिरंजन मिश्रा ने कहा, ''मैं उम्मीद करता हूं कि रिटेलर्स ने लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन बिजनेस के लिए जो गति पकड़ी है, उसे भविष्य में बढ़ाएंगी। फ्यूचर ग्रुप के अध्यक्ष (खाद्य एवं एफएमसीजी) कमलदीप सिंह ने कहा कि उनकी कंपनी के हाइपरमार्ट्स (ऑफलाइन स्टोर) पर अभी भी लोग आ रहे हैं, लेकिन यह महामारी से पहले के स्तर की तुलना में कम है। उन्होंने कहा कि खरीदार सुरक्षित विकल्प के तौर पर होम डिलिवरी को पसंद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, बिग बाजार ने बिगबाजार डॉट कॉम, व्हाट्सएप ऑर्डर करने और फोन के माध्यम से ऑर्डर करने में उछाल देखा है। इसी तरह के रुझान कैश एंड कैरी रिटेलर्स जैसे-वॉलमार्ट, मेट्रो कैश एंड कैरी और लॉट्स होलसेल के भी देखे गये। मेट्रो कैश एंड कैरी इंडिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अरविंद मेदिरत्ता के अनुसार, जो काम नोटबंदी ने डिजिटल भुगतान के लिए किया था।

कोविड-19: बिक्री गिरने से वेतन कटौती, कर्मचारियों की छंटनी कर रही हैं रियल्टी कंपनियां

मुंबई। कोरोना वायरस महामारी के कारण बिक्री गिरने से रियल्टी कंपनियों को कर्मचारियों की छंटनी और वेतन में कटौती करना पड़ रहा है। आने वाले महीनों में भी बिक्री सुस्त रहने की आशंका के मद्देनजर ये कंपनियां लागत कम करने के विभिन्न उपायों पर गौर कर रही हैं। विशेषज्ञों ने इसकी जानकारी दी। विशेषज्ञों के अनुसार रियल एस्टेट क्षेत्र नोटबंदी, रियल एस्टेट नियमन अधिनियम (रेरा), माल एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसी नई व्यवस्थाओं को लागू करने से उत्पन्न रुकावटों तथा मंजूरियां मिलने में देरी के कारण पहले ही पिछले तीन-चार साल से दिक्कतों से जूझ रहा है। इस बीच कोरोना वायरस महामारी ने खरीदारों की धारणा तथा बिक्री को प्रभावित कर रियल एस्टेट क्षेत्र की दिक्कतों को और बढ़ा दिया है। उद्योग जगत के अनुमानों के मुताबिक रियल एस्टेट क्षेत्र में 60-70 लाख लोग कार्यरत हैं, जिनमें तीन लाख सफेदपोश कर्मचारी भी शामिल हैं। मायहायरिंगक्लब डॉट कॉम और सरकारी-नौकरी डॉट इंफो के अनुमान के अनुसार, रियल एस्टेट क्षेत्र में लगभग दो लाख कर्मचारियों (सफेदपोशों सहित) को कोरोनो वायरस संकट के कारण निकाला जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में अब तक 60 हजार से अधिक लोगों को निकाला जा चुका है। परामर्श प्रदान करने वाली कंपनी प्रॉपकंसिलियम इंफाटेक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) राजेश कुमार ने कहा, ''इस क्षेत्र की बिक्री पर एक बड़ा प्रभाव पड़ रहा है और यह कंपनियों की लाभप्रदता को सीधे प्रभावित करेगा। अब लंबित भुगतानों में चूक की भी आशंकाएं हैं। उन्होंने कहा, ''पहले से ही ज्यादातर डेवलपर्स नकदी की कमी का सामना कर रहे हैं और इसलिए वे अब लागत कम करने पर ध्यान दे रहे हैं। वे इसके लिए छंटनी कर रहे हैं, अपने ऑफिस बंद कर रहे हैं। रियल्टी कंपनी प्रजापति समूह के प्रबंध निदेशक राजेश प्रजापति ने कहा कि कंपनी को नौकरियों तथा वेतन दोनों में 15-20 प्रतिशत की कटौती करने पर बाध्य होना पड़ा है।

राज्यों का सकल घरेलू उत्पाद 2020- 21 के दौरान 1.4 से 14.3 प्रतिशत तक घटने का अनुमान: रिपोर्ट

मुंबई (एजेंसी)।

कोरोना वायरस महामारी के प्रसार को थामने के लिये लगाये गये लॉकडाउन का असर चालू वित्त वर्ष के दौरान राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद में दिख सकता है। इस दौरान आर्थिक गतिविधियों के थमने की वजह से राज्यों के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 14.3 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। इंडिया रेटिंग्स एण्ड रिसर्च की सोमवार को जारी इस रिपोर्ट में कहा गया है कि असम, गोवा, गुजरात और सिक्किम जैसे राज्यों में जीएसडीपी की गिरावट दहाई अंक में रह सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है, ''हमारा मानना है कि वित्त वर्ष 2020- 21 में राज्यों के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में गिरावट रहेगी। यह गिरावट 1.4 प्रतिशत से लेकर 14.3 प्रतिशत के दायरे में रह सकती है।'' इसमें कहा गया है कि कर्नाटक, झारखंड, तमिलनाडू, केरल और ओडिशा इन पांच राज्यों सकल घरेलू उत्पाद पर लॉकडाउन का सबसे गहरा असर दिख सकता है।

वहीं मध्य प्रदेश, पंजाब, बिहार, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश पांच प्रमुख राज्य ऐसे होंगे जहां इसका असर सबसे कम रह सकता है। कोरोना वायरस का संक्रमण रोकने के लिए देश में 25 मार्च 2020 को लॉकडाउन (बंद) लागू किया गया था। हालांकि, इस दौरान आवश्यक सेवाओं से जुड़ी गतिविधियों को जारी रखा गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि लॉकडाउन का असर विभिन्न क्षेत्रों में अलग अलग रहा। कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र में इसका असर अलग अलग रहा। रिपोर्ट में कहा गया है।

''लॉकडाउन का कृषि क्षेत्र के काम पर असर कम रहा है इसलिये जिन राज्यों के जीडीपी में कृषि क्षेत्र का योगदान अधिक है उन पर कृषि क्षेत्र का कम योगदान रखने वाले राज्यों के मुकाबले कम प्रभाव पड़ा है।'' इसी प्रकार सेवा क्षेत्र के तहत आने वाले कुछ क्षेत्रों पर भी लॉकडाउन का असर कम रहा है।

कमजोर मांग से बिननौलातेल खली वायदा कीमतों में नरमी

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को कम किया जिससे वायदा कारोबार में सोमवार को बिनौलातेल खली की कीमत 21 रुपये की गिरावट के साथ 1,985 रुपये प्रति क्विन्टल रह गयी। एनसीडीईएक्स में बिनौलातेल खली के जुलाई महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 21 रुपये अथवा 1.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,985 रुपये प्रति क्विन्टल रह गयी जिसमें 46,520 लॉट के लिए कारोबार हुआ। इसी प्रकार, बिनौलातेल खली के अगस्त महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत सात रुपये अथवा 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,049 रुपये प्रति क्विन्टल रह गयी जिसमें 17,930 लॉट के लिए कारोबार हुआ।बाजार सूत्रों ने कहा कि बाजार बाजार सूत्रों ने कहा कि बाजार में कमजोरी के रुख के बीच मौजूदा स्तर पर कारोबारियों की बिकवाली से यहां वायदा कारोबार में बिनौलातेल खली कीमतों में गिरावट दर्ज हुई। बाजार सूत्रों ने कहा कि बाजार में कमजोरी के रुख के बीच मौजूदा स्तर पर कारोबारियों की बिकवाली से यहां वायदा कारोबार में बिनौलातेल खली कीमतों में गिरावट दर्ज हुई।

पूछताछ में तेजी, अपनी गाड़ी की इच्छा बढ़ने से जुलाई में ऑटो बिक्री में होगा इजाफा: रिपोर्ट

मुंबई। यात्री वाहनों और दोपहिया गाड़ियों की खरीद के लिए पूछताछ में तेजी, लॉकडाउन के बाद मझोले और छोटे शहरों में शोरूम में लोगों की आवाजाही बढ़ने, शहरों में निकलने बढ़ने के लिए निजी वाहन के प्रयोग को प्रमुखतादेने के रुझान और शादियों की मांग के कारण जुलाई में ऑटो बिक्री में इजाफा होने का अनुमान है। डोलट कैपिटल ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में कहा कि ग्रामीण मांग (कृषि गतिविधियों के लिए बेहतर मानसून और श्रमिकों की उपलब्धता के कारण) और ऑटो संयंत्रों में उत्पाद फिर तेजी से शुरू होने के कारण उत्पाद की उपलब्धता बढने से कारोबार में सुधार की उम्मीद है। रिपोर्ट में अनुमान जताया गया कि दोपहिया वाहनों की बिक्री मजबूत लेकिन कारों की मांग में मजबूती अभी नजर नहीं आती। इसके मुताबिक दोपहिया गाड़ियों की मांग में बाद में तेजी आएगी। हालांकि, कोविड-19 महामारी के जोखिमों और उसके आर्थिक असर के कारण जिन लोगों के पास पहले से गाड़ी है, उनके द्वारा गाड़ी बदलने या बेहतर गाड़ी लेने की दर में करीब 50 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। डोलट कैपिटल ने कहा कि लॉकडाउन के बाद महाराष्ट्र, गुजरात और तमिलनाडु को छोड़कर बाकी जगह खुदरा मांग में तेज बढ़ोतरी हुई है।

बाबा रामदेव ने बदली रुचि सोया की किस्मत! 103 दिनों में 8818 फीसदी चढ़े शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि ने पिछले हफ्ते पिछले साल दिवालिया हो चुकी रुचि सोया को खरीदा था और इस साल इस कंपनी के शेयर ने कमाल कर दिया है। पिछले साल जहां रुचि सोया दिवालिया हो चुकी थी वहीं इस साल मार्केट कैपिटलाइजेशन के हिसाब से यह स्टॉक एक्सचेंज की टॉप 60 कंपनियों में शामिल हो गई है। आखिर ऐसी क्या वजह रही कि एक साल के भीतर कंपनी के शेयरों में इतनी जबरदस्त रैली आई है। एनालिस्ट को इस तेजी के पीछे कोई बुनियादी वजह नजर नहीं आ रही है। लिहाजा वो चाहते हैं कि मार्केट रेगुलेटर कंपनी की जांच करे। इकोनॉमिक टाइम्स की खबर के मुताबिक, 27 जनवरी को रुचि सोया दोबारा शेयर बाजार में लिस्ट कराया गया था। जनवरी से लेकर अब तक रुचि सोया के शेयर 8818 फीसदी चढ़ चुका है। शुक्रवार को कंपनी के शेयर 1507 रुपए पर बंद हुआ। इसी के साथ कंपनी की मार्केट वैल्यू सिर्फ 103 कारोबारी सत्र में 500 करोड़ रुपए से बढ़कर 44,600 करोड़ रुपए पहुंच गया है। मार्च तिमाही के नतीजे जारी करने के बाद सोमवार को रुचि सोया के शेयरों में 5 फीसदी की गिरावट आई।

अब इसके शेयर 1431.95 रुपए पर कारोबार कर रहे हैं। मार्केट कैप के लिहाज से देखें तो रुचि सोया अब ल्यूपिन, टॉरेंट फार्मा, टाटा स्टील, अंबुजा सीमेंट, , ग्रासिम, पंजाब नेशनल बैंक, हिंडाल्को, , कोलगेट पामोलिव और हैवेल्स इंडिया से भी बड़ी कंपनी बन चुकी है। अब ल्यूपिन, टॉरेंट फार्मा, टाटा स्टील, अंबुजा सीमेंट, , ग्रासिम, पंजाब नेशनल बैंक, हिंडाल्को, , कोलगेट पामोलिव और हैवेल्स इंडिया से भी बड़ी कंपनी बन चुकी है। हालांकि रुचि सोया के शेयरों की इस तेजी से एनालिस्ट प्रभावित नहीं हैं।

उनका मानना है कि सेबी को इस बात की जांच करनी चाहिए कि शेयरों में आई इस तेजी की वजह क्या है। बाजार के जानकारों का कहना है कि रेगुलेटर को कंपनी से यह पूछना चाहिए कि वह कब 25 फीसदी मिनिमम पब्लिक होल्डिंग की शर्त पूरी करेगी।

सीईएससी का चौथी तिमाही मुनाफा 6.44 प्रतिशत बढ़कर 446 करोड़ रुपये पर पहुंचा

नयी दिल्ली। सीईएससी लिमिटेड का चौथी तिमाही का एकीकृत मुनाफा 6.44 प्रतिशत बढ़कर 446 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। कंपनी का राजस्व बढ़ने से उसका मुनाफा बढ़ा है। इससे पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी का एकीकृत मुनाफा 419 करोड़ रुपये रहा था। शेयर बाजारों को भेजी नियामकीय सूचना में सीईएससी ने यह कहा है। वित्त वर्ष 2019- 20 की चौथी तिमाही (जनवरी से मार्च 2020) के दौरान कंपनी की कुल आय एक साल पहले की इसी अवधि के 2,417 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,534 करोड़ रुपये रही है। पूरी वित्त वर्ष के दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ 1,306 करोड़ रुपये रहा है जो कि इससे पिछले साल 2018- 19 में 1,198 करोड़ रुपये रहा था। इस दौरान कंपनी की कुल आय भी बढ़कर 11,217 करोड़ रुपये पर पहुंच गई जो कि 2018- 19 में 10,868 करोड़ रुपये रही थी। कोविड- 19 महामारी को कोविड- 19 महामारी को लेकर लगाये गये लॉकडाउन के बारे में कंपनी ने कहा है कि वह वह घटनाक्रमों पर नजदीकी से निगाह रखे हुये है। कंपनी अपने कामकाज, नकदी और पूंजी संसाधनों पर भी नजर रखे हुये है और इस अप्रत्याशित स्थिति के असर को कम से कम करने के लिये सक्रियता के साथ काम कर रही है।

अमेजन इंडिया दे रही है 20 हजार लोगों को नौकरी, 12वीं पास भी कर सकते हैं अप्लाई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अमेजन इंडिया ने ऐलान किया है कि वह अपनी कस्टमर सर्विस टीम में लगभग 20,000 सीजनल या अस्थायी रोजगार अवसर उत्पन्न कर रही है। इसके पीछे कंपनी का मकसद भारत और दुनियाभर में अपने उपभोक्ताओं की मदद करना है। अमेजन इंडिया ने बयान में कहा कि नई अस्थायी पोजिशंस अगले 6 माह में कस्टमर ट्रैफिक में अनुमानित मांग को पूरा करने के लिए हैदराबाद, पुणे, कोयम्बटूर, नोएडा, कोलकाता, जयपुर, चंडीगढ़, मैंगलोर, इंदौर, भोपाल और लखनऊ में एड की जा रही हैं। नए पदों पर नियुक्त एसोसिएट्स उपभोक्ताओं की जरूरतें पूरी करने में मदद करेंगे। इसके लिए वे विभिन्न माध्यमों जैसे ईमेल, चैट, सोशल मीडिया एवं फोन के माध्यम से व्यक्तिगत एवं उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करेंगे। अमेजन द्वारा नए अस्थायी पदों पर भर्ती के लिए कैंडिडेट का कम से कम 12वीं कक्षा पास होना आवश्यक है। साथ ही उसे अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु या कन्नड भाषा में निपुण होना चाहिए। कंपनी का कहना है कि उम्मीदवारों की परफॉरमेंस और कारोबारी जरूरतों के आधार पर इन अस्थायी पदों में कुछ को साल के आखिर तक स्थायी पदों में बदला जा सकता है। वे लोग जो इन सीजनल नौकरियों के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे 1800-208-9900 पर फोन कर सकते हैं या पर ईमेल भेज सकते हैं। अमेजन इंडिया के डायरेक्टर-कस्टमर सर्विस, अक्षय प्रभु का कहना है कि हम उपभोक्ताओं की बढ़ती जरूरतों के अनुरूप कस्टमर सर्विस संगठनों में हायरिंग संबंधी जरूरतों का मूल्यांकन कर रहे हैं। हमारा अनुमान है कि भारत और दुनिया भर में छुट्टियों के सीजन में अगले छह महीनों में कस्टमर ट्रैफिक बढ़ेगा।

हमसे जुड़ने वाले नए एसोसिएट्स हमारे वर्चुअल कस्टमर सर्विस प्रोग्राम के जरिए घर एवं ऑफिस से काम करेंगे और उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने एवं उन्हें उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ये नए अस्थायी पद उम्मीदवारों को इस अनिश्चित समय में रोजगार एवं आजीविका के साधन उपलब्ध कराएंगे।

एसबीआई अर्थशास्त्रियों की प्रभावित क्षेत्रों के लिये दूसरे दौर के वित्तीय पैकेज की वकालत

मुंबई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के अर्थशास्त्रियों का मानना है कि शेयर बाजार में आ रही तेजी को आर्थिक स्थिति में सुधार से नहीं जोड़ा जाना चाहिये, यह अतार्किक उत्साह के संकेत ही हो सकते हैं। अर्थशासत्रियों ने इसके साथ ही अर्थव्यवस्था के प्रभावित क्षेत्रों के लिये दूसरे दौर के वित्तीय समर्थन पर भी जोर दिया है। उन्होंने चेतावनी देते हुये भी कहा है कि बैंक सितंबर के बाद जब कर्ज वापसी पर लगी छह माह की रोक अवधि समाप्त हो जायेगी गैर- निष्पादित राशि (एनपीए) के बढ़े हुये आंकड़े जारी कर सकते हैं। कोविड-19 प्रसार के शुरुआती दिनों में शेयर बाजार में भारी गिरावट देखी गई। इस दौरान बाजार 20 प्रतिशत से अधिक तक गिर गये थे। इसके बाद पिछले कुछ सप्ताहों के दौरान बाजार चढ़े हैं और उन्होंने नुकसान की कुछ भरपाई की है। मजेदार बात यह है कि विश्लेषकों के बीच जब जीडीपी में गिरावट आने की चर्चा जोर पकड़ रही है उस समय बाजार चढ़ रहे हैं। कुछ विश्लेषकों ने तो यहां तक कहा है कि 2020- 21 के दौरान जीडीपी पांच प्रतिशत तक गिर सकती है। अर्थशास्त्रियों ने एक नोट में कहा है कि तेजी से चढते बाजार और आर्थिक स्थिति में सुधार के बीच कमजोर जुड़ाव दिखाई देता है।

लॉकडाउन का परिधान उद्योग पर होगा व्यापक असर: संगठन

चेन्नई (एजेंसी)।

कारोबारी संगठन अपैरल एंड हैंडलूम एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ने रविवार को कहा कि चालू लॉकडाउन ने सितंबर तक आपूर्ति की जाने वाले सामनों पर व्यापक असर डाला है। संगठन राज्य में लगभग 400 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) का प्रतिनिधित्व का दावा करता है। एसोसिएशन के मानद सचिव निशांत जैन ने कहा कि चेन्नई और पड़ोसी जिलों में 12 दिनों के लॉकडाउन के कारण कार्यबल काफी हद तक प्रभावित हुआ है। उन्होंने राज्य सरकार से अनुरोध किया कि 30 जून को समाप्त होने वाले लॉकडाउन को और न बढ़ाया जाए क्योंकि व्यापारी अपने उपभोक्ताओं को सेवा मुहैया करा पाने में असमर्थ हैं। उन्होंने एक बयान में कहा कि परिधान और हथकरघा निर्यात कंपनियां लगभग 1.50 लाख श्रमिकों को रोजगार देती हैं, जिनमें 90 प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं। चल रहे लॉकडाउन के कारण उनके पास आजीविका का कोई अन्य स्रोत नहीं है। उन्होंने कहा कि मार्च से लेकर मई तक कंपनियों द्वारा ऑर्डर रद्द करने के कारण उद्योग पहले ही भारी नुकसान का सामना कर रहा था। उन्होंने कहा कि तैयार माल को जून से सितंबर के बीच निर्यात किया जाना है और अगर कंपनियों ने विदेशी उपभोक्ताओं को समय पर आपूर्ति नहीं की, तो कंपनियां ऑर्डर रद्द कर सकती हैं। जैन ने कहा कि ऐसे में विदेशी उपभोक्ता चीन, बांग्लादेश, वियतनाम, श्रीलंका में काम करने वाली कंपनियों के पास जा सकते हैं। उन्होंने कहा, एक बार जब उपभोक्ता दूसरे देशों में चले जाते हैं, तो उन्हें वापस लाना बेहद मुश्किल होगा ...। राज्य सरकार ने कोरोना वायरस के संक्रमण के मामलों में तेजी से वृद्धि होने के चलते चेन्नई, मदुरै, चेंगलपेट, कांचीपुरम और तिरुवल्लूर जिलों के कुछ हिस्सों में 19 जून से फिर से लॉकडाउन लगाया है। इससे पहले केंद्र सरकार ने 25 मार्च से पूरे देश में लॉकडाउन लागू करने की घोषणा की थी।

तीन साल बाद भी जीएसटी की मंजिल दिख रही दूर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जब 2017 में पेश किया गया तो तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने उम्मीद जताई थी कि ऐतिहासिक अप्रत्यक्ष कर सुधार पेश किए जाने से 5 प्रमुख मकसद पूरे होंगे- महंगाई पर लगाम लगेगी, अनुपालन बोझ कम होगा, कर चोरी कठिन हो जाएगी, जीडीपी को बल मिलेगा और सरकार के राजस्व के स्रोत मजबूत होंगे। जीएसटी लागू हुए 3 साल पूरे हो गए। जीएसटी लागू करने के 3 मकसद हिचकोले खा रहे हैं, जीएसटी महंगाई बढ़ाने वाला नहीं रहा है और जीएसटी परिषद अभी लगातार कर चोरी रोकने की कवायद में लगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे गुड ऐंड सिंपल टैक्स नाम दिया था, जिसके बारे में विशेषज्ञों की राय है कि यह ऐसा नहीं बन पाया है। संक्षेप में कहें तो जीएसटी रिटर्न दाखिल करने की व्यवस्था को अभी भी अंतिम रूप दिया जा रहा है, भारत की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर वित्त वर्ष 2020 में पिछले 11 साल के सबसे निचले सस्तर पर है और यह अब तक के सबसे खराब मंदी की ओर बढ़ रही है, हालांकि इसके लिए सिर्फ जीएसटी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। कर वसूली की हालत यह है कि सरकार ने राज्यों के राजस्व में कमी आने की स्थिति में मुआवजा देने का वादा दिया था, जिसे पूरा करने के लिए अब जीएसटी परिषद बाजार से उधारी लेने पर विचार कर रही है, जिससे राजस्व में आई कमी की भरपाई की जा सके। इसके अलावा 500 से ज्यादा सामान पर कर में बदलाव किया जा चुका है। तकनीक और कर की कई दरों से जुड़ी ढांचागत जटिलताओं से जूझ रहे कारोबारियों पर वैश्विक महामारी कोरोनावायरस की मार पड़ी और इन चुनौतियों ने काराबोरी गतिविधियों को ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंचा दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि जीएसटी के चौथे साल में प्रवेश पर आईटी इन्फ्रास्ट्रक्टर को मजबूत करने, कई जीएसटी ढांचों व दरों को तार्किक बनाने, अनुपालन बोझ सरल करने और राज्यों के लिए मुआवजा की व्यवस्था पर फिर से काम करने की जरूरत है। पंजाब के वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल ने बिजनेस स्टैंडर्ड से बातचीत में कहा कि पूरी तरह से बदलाव की जरूरत है। उन्होंने कहा, जीएसटी लागू किए जाने के पहले मैंने कहा था कि जीएसटी न होने से बेहतर है कि कोई भी जीएसटी हो। मैं सच्चे दिल से इसमें विश्वास करता था। लेकिन जिस तरह से हमारी जीएसटी व्यवस्था चल रही है।

एसबीआई अर्थशास्त्रियों की प्रभावित क्षेत्रों के लिये दूसरे दौर के वित्तीय पैकेज की वकालत

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के अर्थशास्त्रियों का मानना है कि शेयर बाजार में आ रही तेजी को आर्थिक स्थिति में सुधार से नहीं जोड़ा जाना चाहिये, यह अतार्किक उत्साह के संकेत ही हो सकते हैं। अर्थशासत्रियों ने इसके साथ ही अर्थव्यवस्था के प्रभावित क्षेत्रों के लिये दूसरे दौर के वित्तीय समर्थन पर भी जोर दिया है। उन्होंने चेतावनी देते हुये भी कहा है कि बैंक सितंबर के बाद जब कर्ज वापसी पर लगी छह माह की रोक अवधि समाप्त हो जायेगी गैर-निष्पादित राशि (एनपीए) के बढ़े हुये आंकड़े जारी कर सकते हैं। कोविड-19 प्रसार के शुरुआती दिनों में शेयर बाजार में भारी गिरावट देखी गई। इस दौरान बाजार 20 प्रतिशत से अधिक तक गिर गये थे। इसके बाद पिछले कुछ सप्ताहों के दौरान बाजार चढ़े हैं और उन्होंने नुकसान की कुछ भरपाई की है। मजेदार बात यह है कि विश्लेषकों के बीच जब जीडीपी में गिरावट आने की चर्चा जोर पकड़ रही है उस समय बाजार चढ़ रहे हैं। कुछ विश्लेषकों ने तो यहां तक कहा है कि 2020- 21 के दौरान जीडीपी पांच प्रतिशत तक गिर सकती है। अर्थशास्त्रियों ने एक नोट में कहा है कि तेजी से चढते बाजार और आर्थिक स्थिति में सुधार के बीच कमजोर जुड़ाव दिखाई देता है। यह जो स्थिति दिखाई दे रही है वह मोटे तौर पर ''अतार्किक उत्साह'' ही हो सकता है। उन्होंने कहा कि बाजार में आ रही तेजी के पीछे रिजर्व बैंक द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सरल नकदी का भी योगदान हो सकता है। अर्थशास्त्रियों ने कहा, ''बाजार यदि अच्छे हैं तो का मतलब बेहतर अर्थव्यवस्था नहीं हो सकता है।'' अर्थशास्त्री यह भी बताने का प्रयास कर रहे हैं कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि के लिये भारत केवल कृषि क्षेत्र की बेहतरी पर ही निर्भर नहीं रह सकता है। उनका मानना है कि यदि कृषि क्षेत्र में 1951- 52 में हासिल 15.6 प्रतिशत का सबसे बेहतर प्रदर्शन भी हासिल किया जाता है तब भी जीडीपी में 2 प्रतिशत अंक की ही वृद्धि होगी। नोट में उन्होंने कहा है, ''हमें कम से कम प्रभावित क्षेत्रों को समर्थन देने के लिये दूसरे दौर के वित्तीय समर्थन के बारे में सोचना चाहिये।'' उल्लेखनीय है कि सरकार ने अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार के लिये 20 लाख करोड़ रुपये के प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा पहले ही कर दी है।

बिक्री के समय वाहनों में ध्वनि के स्तर की जानकारी दें कंपनियां: एनजीटी

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने वाहन निर्माताओं को बिक्री के समय वाहनों के ध्वनि स्तर के बारे में उपभोक्ताओं को जानकारी देने का निर्देश दिया है। एनजीटी का कहना है कि ध्वनि प्रदूषण लोगों के स्वास्थ्य के लिये एक गंभीर खतरा है। उसने महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीबी) को निर्देश दिया कि वह विनिर्माण स्तर पर वाहनों के लिये शोर उत्सर्जन मानकों को अधिसूचित करे और इसके बाद मानकों पर अमल के लिये वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम 1981 की धारा 20 के तहत संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करे। एनजीटी ने कहा कि उपभोक्ताओं और सार्वजनिक प्राधिकरणों को वाहनों के कारण होने वाले ध्वनि प्रदूषण की जानकारी होने से यह खरीद के निर्णयों को प्रभावित कर सकता है। एनजीटी ने कहा, ''हम मानते हैं कि वाहन निर्माताओं को बिक्री के समय और तकनीकी प्रचार सामग्री में वाहनों के ध्वनि स्तर के बारे में जानकारी प्रदान करनी चाहिये। उन्हें वाहन के ध्वनि उत्सर्जन के बारे में उपभोक्ताओं को जानकारी प्रदान करनी चाहिये।' न्यायमूर्ति शिव कुमार सिंह और न्यायमूर्ति सिद्धान्त दास की पीठ ने यह भी कहा कि अधिकृत एजेंसी द्वारा जारी वैध प्रदूषण नियंत्रण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) वाले वाहनों को ही महाराष्ट्र में चलने की अनुमति है, ताकि वाहनों के कारण होने वाले वायु प्रदूषण को रोका जा सके। पीठ ने कहा, हम इस तथ्य पर जोर देना चाहते हैं कि शहरी क्षेत्रों में सामान्य रूप से शोर का स्तर बढ़ रहा है, और विशेष रूप से बच्चों व बूढ़े लोगों के स्वास्थ्य के लिये यह एक गंभीर खतरा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 स्टार एंडी मरे ब्लैक लाइव्स मैटर मूवमेंट के समर्थन में, चैरिटी के लिए टूर्नामेंट करा रहे

नई दिल्ली। ब्रिटेन के टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे भी ब्लैक लाइव्स मैटर मूवमेंट के समर्थन में आ गए हैं। पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 मरे ब्रिट्स टेनिस टूर्नामेंट के दौरान सेमीफाइनल मैच के पहले मूवमेंट के सपोर्ट में घुटने के बल बैठे। एंडी मरे और उनके भाई जैमी ब्रिटेन के हेल्थ वर्कर्स की मदद के लिए यह चैरिटी टूर्नामेंट आयोजित कर रहे हैं। कोरोनावायरस के बीच चैरिटी टूर्नामेंट से दोनों भाईयों को एक करोड़ रुपए से ज्यादा राशि जुटाने की उम्मीद है। हालांकि एंडी मरे सेमीफाइनल में डैन इवांस से हार गए। वहीं, डबल्स टाइटल जैमी मरे और नील स्कप्स्की ने जीता। इससे पहले सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने चैरिटी टूर्नामेंट एड्रिया टूर कराया था। यह टूर्नामेंट 4 लेग में होना था, लेकिन पहले लेग के बाद ही इसे रद्द कर दिया गया। टूर्नामेंट में शामिल जोकोविच समेत 4 खिलाड़ी कोरोना से संक्रमित हो गए हैं। जोकोविच की पत्नी की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है।

फुटबॉल टूर्नामेंट

मैनचेस्टर यूनाइटेड और चेल्सी सेमीफाइनल में दूसरी बार आमने-सामने होंगे, आर्सेनल का मैनचेस्टर सिटी से मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दुनिया के सबसे पुराने इंग्लिश फुटबॉल टूर्नामेंट एफए कप के इस सीजन में 4 सेमीफाइनल टीमें तय हो गई हैं। इसमें मैनचेस्टर यूनाइटेड, चेल्सी, आर्सेनल और मैनचेस्टर सिटी ने जगह बनाई है। चारों सेमीफाइनल इंग्लैंड के वेंबले स्टेडियम में होंगे। साथ ही 1 अगस्त को फाइनल भी इसी स्टेडियम में होगा। पहला सेमीफाइनल मैनचेस्टर यूनाइटेड और चेल्सी के बीच 18 जुलाई को होगा। यह दोनों टीमें 24 साल बाद एफए कप के सेमीफाइनल में दूसरी बार आमने-सामने होंगी। पिछली बार 1996 में यूनाइटेड ने जीत दर्ज की थी। 12 बार का पूर्व चैम्पियन यूनाइटेड ने नॉरविच सिटी को 2-1 से हराकर 30वीं बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है। यूनाइटेड किसी भी अन्य टीम से ज्यादा बार सेमीफाइनल में पहुंचने वाला क्लब बन गया है। आर्सेनल 29 बार सेमीफाइनल में पहुंचा। हालांकि, आर्सेनल ने सबसे ज्यादा 13 बार खिताब जीता है। 19 जुलाई को आर्सेनल और मौजूदा चैम्पियन मैनचेस्टर सिटी के बीच होगा। सिटी ने अब तक 6 खिताब अपने नाम किए हैं। टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल 19 जुलाई को आर्सेनल और मौजूदा चैम्पियन मैनचेस्टर सिटी के बीच होगा। सिटी ने अब तक 6 खिताब अपने नाम किए हैं। वहीं, यूनाइटेड से भिड़ने वाला चेल्सी 8 बार चैम्पियन रह चुका है। सिटी ने रविवार रात को न्यूकैसल को 2-0 से शिकस्त दी है। आर्सेनल ने शैफिल्ड यूनाइटेड को 2-1 से हराया। वहीं, चेल्सी ने लिसेस्टर सिटी को 1-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

इरफान पठान ने बताया रोहित और शिखर की जोड़ी की सफलता का राज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने कहा कि शिखर धवन और रोहित शर्मा की जोड़ी इसलिए सफल है क्योंकि दोनों एक दूसरे की मजबूत पक्ष के मुताबिक खेलते है। यह भारतीय सलामी जोड़ी 2013 से सीमित ओवरों के क्रिकेट में शानदार बल्लेबाजी कर रही है। पठान ने कार्यक्रम 'क्रिकेट कनेक्टेड में कहा, 'हम जानते हैं कि शिखर बहुत खुलकर खेलते हैं। वह रोहित शर्मा को समय देते हैं। हम सभी जानते हैं कि कैसे रोहित शर्मा तेजी से आक्रामक रूख अख्तियार करने में सक्षम हैं, लेकिन उन्हें शुरुआत में समय चाहिए होता है। पठान ने कहा कि दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे के खेल और क्षमताओं के बारे में जानते हैं और इससे काफी फर्क पड़ता है। उन्होंने कहा, 'क्रिकेट में आपको अपनी ताकत और कमजोरी को समझने के लिए दूसरे छोर पर किसी की जरूरत होती है। शिखर को पता है कि रोहित को शुरुआत में कुछ ओवरों की जरूरत होती है। पठान ने आगे कहा, 'ऐसे समय मे शिखर जिम्मेदारी उठाते है और मुझे लगता है कि इस वजह से वह सफल भी है। जब गेंदबाजी के लिए स्पिनर आते है तब तक रोहित क्रीज पर जम चुके होते है और वह शिखर से सारी जिम्मेदारी अपने ऊपर ले लेते है। रोहित और शिखर के नाम 16 शतकीय साझेदारी है और वे इस सूची में एडम गिलक्रिस्ट और मैथ्यू हेडन के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर है। पहले स्थान पर सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली है जिनके नाम 21 शतकीय साझेदारी है।

टेस्ट चैम्पियनशिप की तारीख में बदलाव हो, ताकि कोरोना के कारण रद्द मैच खेले जा सकें

नई दिल्ली । बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि आईसीसी को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की तारीख को बढ़ाना चाहिए। अगर इसमें बदलाव नहीं होता है तो कोरोना के कारण कैंसिल हुए मैच खेलना मुश्किल होगा। पिछले साल 1 अगस्त से चैम्पियनशिप शुरू हुई और फाइनल जून 2021 में खेला जाना है। 9 टीमें इसमें उतरी हैं। कोरोनावायरस के कारण बांग्लादेश के 8 टेस्ट कैंसिल हो चुके हैं। इसमें पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के खिलाफ सीरीज शामिल है। क्रिकेट ऑपरेशन्स के चेयरमैन अकरम खान ने कहा कि अगर फाइनल अगले साल खेला जाता है तो बचे आठ टेस्ट का होना नामुमकिन है, क्योंकि अगले साल जून तक हमारे पास मैच खेलने का कोई स्लॉट उपलब्ध नहीं है। अगर तारीख बढ़ाई जाती है तो भी सभी मैच खेलना मुश्किल होगा। चैम्पियनशिप के टेबल में टीम इंडिया 360 पॉइंट के साथ टॉप पर है।

गुमनाम कोच टोप्पो ने सब दांव पर लगाकर 139 शागिर्दों को हॉकी चैम्पियन बनाया, 14 एकड़ जमीन भी गिरवी रखी

राउरकेला (एजेंसी)।

साल के युवाओं जैसी कद-काठी वाला यह शख्स डॉमिनिक टोप्पो है। असल में इनकी उम्र 67 साल है। रोजाना सुबह-शाम 4 घंटे बच्चों को मुफ्त हॉकी की कोचिंग देना इनका जुनून है और इसे पूरा करने के लिए ये 40 किमी दूर गांव से राउरकेला साइकिल से आते-जाते हैं। बच्चों के खेल का सामान जुटाने के लिए इन्होंने अपनी 14 एकड़ जमीन सिर्फ 70 हजार रुपए में गिरवी रख दी है। अब पास सिर्फ 1 एकड़ जमीन बची है। उन्होंने कहा, ''सपना था कि बड़ा खिलाड़ी बनूं, लेकिन किसी ने रास्ता नहीं बताया। क्लास-11 ड्रॉपआउट हूं। उन दिनों राउरकेला के पानपोश में साई का हॉस्टल खुला था, उसे देखकर तय किया कि ऐसे खिलाड़ी तैयार करना है, जो देश के लिए खेलें।''

बच्चों को सफल देखकर संकल्प और मजबूत होता है

आज डॉमिनिक के तैयार किए हुए 139 बच्चे राज्य स्तर, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट खेल चुके हैं। डॉमिनिक कहते हैं, 'जो बच्चे आगे बढ़ गए उनसे मैं मिलने जाता हूं।

उन्हें सफल देखकर संकल्प और मजबूत होता है। इनमें लिलिमा मिंज, पूनम टोप्पो, सुदीप चरमाको जैसे नामी खिलाड़ी हैं। डॉमिनिक अभी 60 लड़के-लड़कियों को हॉकी सिखा रहे हैं।

जब तक सांस है, तब तक हॉकी खेलता रहूंगा

डॉमिनिक बताते हैं कि हॉकी के चलते ही पत्नी इसाबेला से प्यार हुआ था। शादी के पहले वह खेल के सामान के लिए अपनी बुआ से पैसे लाकर देती थी। शादी के बाद बीमारी से वह गुजर गई। मेरा खेलना उसे पसंद था, शादी के बाद बीमारी से वह गुजर गई। मेरा खेलना उसे पसंद था, सो जब तक सांस है, खेलता रहूंगा।

संक्षिप्त समाचार

भारत की युवा अंपायर नितिन मेनन आईसीसी के एलीट पैनल में शामिल

दुबई। भारत के युवा अंपायर नितिन मेनन को इंग्लैंड के नाइजेल लोंग की जगह 2020-21 सत्र के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अंपायरों की एलीट पैनल में शामिल किया गया। छत्तीस साल के मेनन को तीन टेस्ट, 24 एकदिवसीय और 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय में अंपायरिंग का अनुभव है। वह इस सूची में जगह बनाने वाले पूर्व कप्तान श्रीनिवास वेंकटराघवन और सुंदरम रवि के बाद तीसरे भारतीय है। रवि को पिछले साल इससे बाहर कर दिया गया था। आईसीसी के महाप्रबंधक (क्रिकेट) ज्योफ एलरडाइस (अध्यक्ष), पूर्व खिलाड़ी और कमेंटेटर संजय मांजरेकर और मैच रेफरियों रंजन मदुगले एवं डेविड बून की चयन समिति ने मेनन का चुनाव किया। मेनन इससे पहले अंपायरों के एमिरेट्स आईसीसी अंतरराष्ट्रीय पैनल का हिस्सा थे। आईसीसी से जारी बयान में मेनन ने कहा, 'एलीट पैनल में नाम होना मेरे लिए बहुत सम्मान और गर्व की बात है। दुनिया के प्रमुख अंपायरों और रेफरियों के साथ-साथ नियमित रूप से काम करने का मेरा हमेशा से सपना रहा है।

निशानेबाज अभिषेक वर्मा फिर शुरू करेंगे वकालत

नयी दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी के कारण खेल ठप होने से मशहूर निशानेबाज अभिषेक वर्मा फिर से वकालत शुरू करेंगे । वर्मा को वकालत और निशानेबाजी के बीच संतुलत बिठाने का पूरा यकीन है । कम्प्यूटर विज्ञान में बीटेक वर्मा साइबर अपराध से जुड़े मामलों पर काम करना चाहते हैं । विश्व कप में दो स्वर्ण पदक जीत चुके वर्मा पिछले कुछ अर्से से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं । उन्होंने पीटीआई से कहा ,'' पहले मैं ओलंपिक के बाद वकालत फिर शुरू करना चाहता था लेकिन अब ओलंपिक एक साल के लिये टल गए हैं । इसलिये मैने इसी साल फिर से वकालत करने का फैसला किया । चूंकि मैने कम्प्यूटर विज्ञान पढा है तो साइबर अपराध से जुड़े मामलों में खास रूचि है ।'' पिस्टल निशानेबाज वर्मा के पिता पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश है और उन्होंने हमेशा अपने पिता को बंदूकधारी अंगरक्षकों से घिरा देखा है । महामारी के कारण चंडीगढ में अपने घर में रह रहे वर्मा ने घर के भीतर ही मिनी जिम बना रखा है । उन्होंने कहा ,'' मैं दो ही बार बाहर निकला हूं । एक बार अपना चश्मा बनवाने और दूसरी बार जिम के उपकरण खरीदने के लिये ।'' इसके अलावा वह योग और ध्यान पर भी काफी समय दे रहे हैं ।

इंग्लैंड में अश्वेत क्रिकेटरों की संख्या 75त्न कम हुई, बोर्ड कमी पूरी करने अभियान शुरू करेगा

लंदन। वेस्टइंडीज के कप्तान जेसन होल्डर ने कहा कि जिस तरह से डोपिंग और फिक्सिंग में शामिल खिलाड़ियों को सजा मिलती है, वैसी ही सजा नस्लीय टिप्पणी करने वाले खिलाड़ियों को मिलनी चाहिए। आईसीसी के एंटी रेसिज्म कोड में मैदान पर तीन बार नस्लीय टिप्पणी करने वाले खिलाड़ी पर आजीवन बैन का प्रावधान है । इस बीच इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) अश्वेत क्रिकेटरों की कमी को दूर करने के लिए जल्द अभियान शुरू करने जा रहा है। देश में 25 साल में अश्वेत क्रिकेटरों की संख्या में 75 की कमी आई है। ईसीबी के साथ काम करने वाले अफ्रीकन कैरेबियन क्रिकेटर्स एसोसिएशन (एसीसीए) ने मामले में अश्वेत की अध्यक्षता में स्वतंत्र जांच कराने की बात कही है। एसीसीए के चेयरमैन और सरे के पूर्व खिलाड़ी लोंसडेले स्किनर ने कहा कि 1990 से अश्वेत खिलाड़ियों को जानबूझकर बाहर किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्यों ईसीबी में कोई अश्वेत एडमिनिस्ट्रेटर नहीं है। हम यहां की संस्कृति से जुड़े हैं और खेल से प्यार भी करते हैं। इस पर ईसीबी के प्रवक्ता ने कहा कि अश्वेत खिलाड़ियों को लेकर कुछ दिक्कतें अभी भी हैं। इस कारण कुछ ही अश्वेत खेल पा रहे हैं। हम इनकी कम्युनिटी से बात करके इसमें बदलाव लाने की कोशिश करेंगे। लीड्स बेकेट यूनिवर्सिटी की पिछले साल की रिपोर्ट के अनुसार 25 साल में इंग्लिश काउंटी में अश्वेत खिलाड़ियों की संख्या में 75त्न की कमी आई है। 1995 में जहां 33 अश्वेत थे, अब सिर्फ 9 रह गए हैं। इतना ही नहीं 18 काउंटी टीमों में 118 सपोर्ट स्टाफ में सिर्फ दो ही अश्वेत हैं।

करूआना को हराकर मेगनस कार्लसन पहुंचे चेसएबल मास्टर्स के सेमी फ़ाइनल

नॉर्वे (एजेंसी)।

विश्व चैम्पियन और विश्व नंबर 1 शतरंज खिलाड़ी मेगनस कार्लसन नें एक बार फिर विश्व नंबर 2 फबियानों करूआना को मात देते हुए अपनी महारत ऑनलाइन शतरंज मे साबित करते हुए चेसएबल मास्टर्स के सेमी फ़ाइनल मे प्रवेश कर लिया है । बेस्ट ऑफ थ्री के मुकाबलो मे कार्लसन नें 2-0 से ही अपराजेय बढ़त हासिल करते हुए अगले प्ले ऑफ मे प्रवेश किया । पहले दिन की तरह दूसरे दिन भी कार्लसन नें 2.5-0.5 के अंतर से चार रैपिड का राउंड मात्र 3 रैपिड मे ही जीत लिया । इस बार पहला मुक़ाबला ड्रॉ रहा । दूसरे मुक़ाबले मे कार्लसन नें सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए क्यूजीडी ओपनिंग मे शानदार एंडगेम तकनीक का परिचय देते हुए मात्र 45 चालों मे जीत दर्ज की ।

जबकि तीसरे मुक़ाबले मे काले मोहरो से खेल रहे कार्लसन नें निमजों इंडियन ओपनिंग मे शानदार पासर प्यादे के इस्तेमाल से 50 चालों मे जीत दर्ज की । वही दूसरे मुक़ाबले मे रूस के इयान नेपोंनियची नें अर्टेमिव ब्लादिस्लाव को ठीक कार्लसन की तरह ओवरऑल 2-0 से मात देते हुए सेमी फ़ाइनल मे प्रवेश कर लिया ।

वेस्टइंडीज टीम इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में ब्लैक लाइव्स मैटर लोगो वाली टी-शर्ट पहनकर खेलेगी

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ 3 टेस्ट की सीरीज में 'ब्लैक लाइव्स मैटर' लोगो वाली टी-शर्ट पहनकर खेलेगी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने भी इसकी मंजूरी दे दी है। कोरोनावायरस के बीच करीब 3 महीने बाद इस सीरीज के साथ इंटरनेशनल क्रिकेट की वापसी हो रही है। पहला टेस्ट 8 जुलाई को इंग्लैंड के साउथैम्पटन में खेला जाएगा। हाल ही में अमेरिका में अश्वेत जॉर्ज फ्लॉयड की पुलिस कस्टडी में मौत के बाद दुनियाभर में रंगभेद के खिलाफ विरोध शुरू हुआ। इसके बाद फुटबॉल और क्रिकेट के अलावा खेल जगत के सभी खिलाड़ियों ने 'ब्लैक लाइव्स मैटर' मूवमेंट को सपोर्ट किया। क्रिकेट में वेस्टइंडीज के कप्तान जेसन होल्डर, डेरेन सैमी, क्रिस गेल और ड्वेन ब्रावो ने इसके खिलाफ आवाज उठाई। आईसीसी ने भी इनका साथ दिया है। जेसन होल्डर ने इसे बड़ा बदलाव बताया है। उन्होंने क्रिकेट वेबसाइट क्रिकइंफो से कहा, ''हमारा मानना है कि इसके खिलाफ मजबूत से आवाज उठाना हमारा कर्तव्य है। सभी को जागरुकता के लिए मदद करना चाहिए। यह खेल, क्रिकेट और वेस्टइंडीज टीम के इतिहास में बड़ा बदलाव है। हम यहां इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज खेलने आए हैं, लेकिन इसके साथ दुनिया में चल रहे बराबरी और न्याय की लड़ाई में भी साथ दे रहे हैं।''

एक टेस्ट में सर्वाधिक मैडन फेंकने वाला गेंदबाज, 70 साल पहले बना था रिकॉर्ड

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज के अल्फर्ड लुईस वेलेंटाइन जिन्हें लोग अल्फ वेलेंटाइन के नाम से भी जानते हैं, के नाम टेस्ट क्रिकेट का एक ऐसा रिकॉर्ड दर्ज है जोकि 70 साल बाद भी नहीं टूटा। वेलेंटाइन ने 1950 में लॉर्ड्स के मैदान पर वैस्टइंडीज टीम को ऐतिहासिक पहला टेस्ट जितवाया था। उक्त मैच में वेलेंटाइन ने अपने साथी स्पिनर रामादीन के साथ मिलकर इंगलैंड की दोनों पारियां जल्दी समेत दी थीं। वेलेंटाइन की मैच फिगर 116-75-127-7 रही थी। एक टेस्ट में सर्वाधिक मेडन फेंकने का यह रिकॉर्ड था जो आज भी बरकरार है। मैच दौरान उनके साथी रामादीन ने 115-70-152-11 का फिगर दिया था। उक्त टेस्ट में वैस्टइंडीज टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ए. रे के 106 रन की बदौलत 326 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी इंगलैंड की टीम हली पारी में 151 रन पर हार गई। अल्फ वेलेंटाइन ने 45 ओवरों में 28 मेडन फेंकते हुए 48 रन देते हुए 4 विकेट चटकाईं। दूसरी पारी में वैस्टइंडीज ने विकेटकीपर वाल्कॉट के 168 रनों की बदौलत 425 रन बना दिए। भारी भरकम लक्ष्य को पाने के लिए उतरी इंगलैंड महज 274 रन ही बना सकी। एक बार फिर से अल्फ वेलेंटाइन ने 71 ओवरों में 47 मेडन फेंककर 79 रन देते हुए तीन विकेट चटकाए। वेलेंटाइन ने इस प्रदर्शन की बदौलत सीरीज में वैस्टइंडीज को 1-1 की बराबरी दिला दी। वैसे वेलेंटाइन का करियर ज्यादा लंबा नहीं चला। उन्होंने 36 टेस्ट में 139 विकेट चटकाईं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में वह लंबा समय सक्रिय रहे। उन्होंने 125 टेस्ट में 475 विकेट निकालीं।

निशानेबाजी

पहली ऑनलाइन निशानेबाजी लीग 4 जुलाई से, ऑस्ट्रेलिया- इटली की टीमों के बीच मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दुनिया की पहली ऑनलाइन निशानेबाजी लीग चार जुलाई से शुरू होगी जिसमें ऑस्ट्रियाई रॉक्स और इटैलियन स्टाइल के बीच शुरूआती मुकाबला खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम दूसरे दिन अपने अभियान को इटैलियन स्टाइल के खिलाफ शुरू करेगी। फ्रेंच फॉग्स का 10 जुलाई को इजरायल माबारोट से सामना होगा जबकि ऑस्ट्रेलियन रॉक्स का मुकाबला 11 जुलाई को इंडियन टाइगर्स से होगा। स्पेनिश चानोस की टीम 12 जुलाई को फ्रेंस फॉग्स से भिंडेगी। टूर्नामेंट का सेमीफाइनल 18 और 19 जुलाई को जबकि फाइनल 26 जुलाई को खेला जाएगा।

तीसरे स्थान का मैच 25 जुलाई को होगा। हर टीम में तीन राइफल निशानेबाज और एक कोच होंगे जो 'जूम ऑनलाइन मंच के जरिये प्रतियोगिता में भाग लेंगे। टूर्नामेंट में विशेष रूप से तैयार प्रारूप 'रेस टू टेन का इस्तेमाल होगा। लीग को शुरु करने वाले पूर्व निशानेबाज शिमोन शरीफ टूर्नामेंट में विशेष रूप से तैयार प्रारूप 'रेस टू टेन का इस्तेमाल होगा। लीग को शुरु करने वाले पूर्व निशानेबाज शिमोन शरीफ ने कहा, ''निशानेबाज निशाना साधेंगे जिस पर उन्हें अंक दिया जाएगा, जो भी टीम पहले 10 अंक तक पहुंचेगी वह विजेता बनेगी।

अब आपकी ऑनलाइन शॉपिंग संबंधी क्रेडिट कार्ड से होने वाले खतरों को दूर करने का पक्का समाधान आ गया है। वर्चुअल क्रेडिट कार्डों के जरिए।

ऑनलाइन शॉपिंग में अपनाएं वर्चुअल कार्ड

वैसे तो वर्चुअल क्रेडिट कार्ड का प्रयोग पिछले सात-आठ वर्षों से जारी है, मगर इसके प्रयोग में झंझट अधिक होने के कारण यह प्रयोक्ताओं में कभी भी लोकप्रिय नहीं रहा। साथ ही इक्का-दुक्का बैंकों ने ही इसे लागू किया, मगर जब क्रेडिट कार्डों के ऑनलाइन हैकिंग और फ्रॉड बढ़ने लगे, तो अतिरिक्त सुरक्षा विकल्प के रूप में वर्चुअल क्रेडिट कार्डों का प्रचलन अब बढ़ने लगा है।

कैसे बनता है वर्चुअल कार्ड

जैसा कि नाम से जाहिर है, इस कार्ड का भौतिक अस्तित्व नहीं होता। इसके लिए आपको अपने वास्तविक क्रेडिट कार्ड या बैंक खाते को जोड़कर एक कंप्यूटर अनुप्रयोग के जरिए अथवा अपने खाते में ऑनलाइन लॉगिन कर वर्चुअल क्रेडिट कार्ड बनाना होता है। इस तरह से वर्चुअल क्रेडिट कार्ड का एक नंबर व पासवर्ड जेनरेट होता है, जिसे आप इंटरनेट पर किसी भी किस्म की ऑनलाइन शॉपिंग या बिल भुगतान के लिए कर सकते हैं। वर्चुअल क्रेडिट कार्ड की अन्य खूबियां भी होती हैं, जैसे कि इन्हें एक बार, सीमित अधिकतम धन भुगतान अथवा सीमित अवधि के लिए जेनरेट किया जा सकता है, ताकि कुछ समय बाद या एक बार प्रयोग के बाद ये स्वतः ही काम के न रहें। इस तरह से प्रयोक्ता को अतिरिक्त सुरक्षा मुहैया होती है।

ऑनलाइन शॉपिंग की लोकप्रियता

अपना घर छोड़े बिना सब कुछ खरीदने के लिए ऑनलाइन शॉपिंग बहुत ही लोकप्रिय हो गया है, और यह वस्तुएं जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, फर्नीचर, सौंदर्य प्रसाधन, और कई और सामान खरीदने के लिए एक सुविधाजनक साधन है। हम यातायात और भीड़ से बच सकते हैं। वस्तुएं खरीदने के लिए कोई विशेष समय नहीं है, दुकान के खुलने की प्रतीक्षा करने की बजाय हम किसी भी समय खरीद सकते हैं। इन सभी लाभों के अलावा जोखिम भी सम्मिलित हैं और अद्वितीय इंटरनेट जोखिम भी हैं। इसलिए ऑनलाइन खरीदारी के लिए जाने से पहले कुछ सुरक्षा उपाय करने बहुत महत्वपूर्ण हैं।

सुरक्षित शॉपिंग के लिए सलाह

- इससे पहले कि आप ऑनलाइन खरीदारी प्रारंभ करें सुनिश्चित करें कि आपका पीसी सभी भीतरी सुरक्षाएं जैसे एक एंटीवायरस, एंटीस्पायवेयर, फ़ायरवॉल, प्रणाली-सभी सुरक्षा पॅचिज के साथ नवीनीकृत है और वेब ब्राउजर सुरक्षा के साथ सभी विश्वसनीय उच्च साइटों से सुरक्षित है और सुरक्षा स्तर उच्च पर है यह सुनिश्चित करें।
- इससे पहले कि आप चीजें ऑनलाइन खरीदें, जिस वेब साइट से आप खरीदना चाहते हैं, उसके लिए शोध करें, क्योंकि आक्रमक वेबसाइटें जो वैध दिखती हैं, परंतु होती नहीं हैं, उनके द्वारा जाल में फंसाने का प्रयत्न करते हैं। अतः विक्रेता के भौतिक पते दूरभाष नंबर को ध्यान में रखें और पुष्टि करें कि वेबसाइट एक विश्वसनीय साइट है। वेबसाइटों के लिए खोज करें और कीमतों की तुलना करें। उस विशेष वेब साइट के उपभोक्ताओं और मीडिया या व्यापारियों की समीक्षा की जांच करें।
- आप ऑनलाइन खरीदने के लिए तैयार हैं जांच लें, क्या वह साइट सुरक्षित है जैसे एचटीटीपीएस या ब्राउज़र ऐड्रेस बार या स्टेटस बार पर पॅडलॉक है और फिर वित्तीय लेनदेन के लिए आगे बढ़ें।
- लेन-देन पूरा होने के पश्चात लेनदेन रिकॉर्ड और उत्पाद के विवरण जैसे मूल्य, पुष्टि पावती (रसीद), बिक्री की शर्तों और नियमों का एक प्रिंट या स्क्रीन शॉट लें।
- तत्काल जैसे ही आप काम समाप्त करते हैं, क्रेडिट कार्ड के बयानों की जांच करें और उन्हें आपके शुल्क भुगतान के विषय में पूछें कि वह समान हैं या नहीं, और यदि आप कोई परिवर्तन पाते हैं, तत्काल ही संबंधित अधिकारियों को रिपोर्ट करें।
- अपनी ऑनलाइन शॉपिंग समाप्त होने पर वेब ब्राउजर की सभी कुकीज को साफ कर दें और अपने पीसी को बंद कर दें, क्योंकि स्पॅमर्ज और फिशर्ज उस सिस्टम की खोज में होंगे, जो इंटरनेट से जुड़ा हो और स्पैम ई-मेल भेजने की कोशिश करेंगे और दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर जो आपकी व्यक्तिगत जानकारी एकत्र कर सकता है, उसे स्थापित करने की कोशिश करेंगे।
- याद रखें वैध व्यापार के लोग इस तरह के ई-मेल कभी नहीं भेजते। यदि आप ऐसी ई-मेल प्राप्त करते हैं तुरंत व्यापारी को दूरभाष करें और इस विषय में सूचित करें।

स्वादिष्ट पुलाव का उठाएं लुत्फ

आप सभी रोजाना खाने के साथ पुलाव जरूरत खाते होंगे। आज हम पुलाव पर रेसिपी बता रहे हैं। इन्हें आप घर पर ही बनाकर स्वयं खाइए और मेहमानों, दोस्तों को भी परोसिये।

शाही पालक पुलाव

सामग्री

बासमती चावल = 1 कप, बारीक कटी पालक= 300 ग्राम, घी = 1 चम्मच, मक्खन = 1 चम्मच, सोया चुरा = 2 चम्मच, पिसी काली मिर्च= 1 चुटकी, नीबू का रस = 1 चम्मच, चीज कसी = द कप, मलाई = 1 चम्मच, नमक= स्वादानुसार, नींबू के कतले = सजाने के लिए।

बनाने की विधि

चावल को सादे चावल की तरह बना लें। पालक को धो कर साफ कर लें। घी व तेल गरम करें। अब उसमें पालक, सोया, नमक व काली मिर्च डालकर मध्यम आग पर पालक नरम होने तक या 10-15 मिनट पका लें। अब बर्तन में पका चावल, पका पालक, नींबू का रस व कसा चीज डालकर तीन मिनट और पका लें। नींबू के कतलों से सजा कर परोसें।

बैंगन पुलाव

सामग्री

बासमती चावल= 1 कप, बैंगन= 5 छोटे एक आकार के, मटर दाने= 1कप, लौंग= 4-5, दाल चीनी का टुकड़ा =1 इंच का, मूंगफली गिरी= कप, लहसुन कली=5-6, तेल या घी= 2 चम्मच, जीरा= 1 छोटा चम्मच, धनिया= 1 छोटा चम्मच, मिर्च पाउडर= चम्मच, दही= 1 कप, प्याज बारिक कटा= 1, नमक= स्वादानुसार, हरी मिर्च, चीनी= 2 चम्मच, अदरक= 1 इंच का टुकड़ा।

बनाने की विधि

लौंग, दालचीनी, जीरा, धनिया, अदरक, लहसुन, हरी मिर्च को पीस लें। बैंगन धोकर ऊपर का टुकड़ा चाकू से निकाल दें। बैंगन के अन्दर का गूदा निकाल कर बारीक काट लें। बर्तन में एक चम्मच तेल या घी गरम कर उसमें पिसा मसाला, बैंगन का गूदा व नमक डालकर 2 मिनट पकाएं। ठंडा करके इस मिश्रण को खाली बैंग मे भर दें। ऊपर का कटा टुकड़ा उसके ऊपर लगा दें। बाकी बचा तेल या घी गरम करें उसमें मूंगफली, मटर, चावल डालकर 3-4 मिनट तक भूनें। अब नमक, बचा मसाला व दोगुना पानी डाल कर उबाल आने तक तेज आग पर व उसके बाद ढ़क कर 10-12 मिनट हल्की आग पर पकाएं। दही व चीनी डाल कर मिलाएं। अब बैंगन भी डाल दें व ढक कर 4-5 मिनट पकाएं। गरमा गरम परोसें।

ब्रोकली-गाजर पुलाव

बनाने की विधि

चावल को धोकर 10 मिनट के लिए पानी में भिगोएं। कुकर में तेल डालकर गर्म करें अब इसमें जीरा तेज पत्ता लौंग और काली मिर्च डालकर चटकने दें। अब इसमें गाजर, ब्रोकली और नमक डालकर 3 से 4 मिनट के लिए भून लें। अब इसमें पानी डालकर कुकर बंद करके 1 सीटी आने पर गैस बंद कर दें। गर्मागर्म पुलाव हरी चटनी के साथ परोसें ।

सामग्री

बासमती चावल =2 कप, ब्रोकली छोटे टुकड़ों में कटी हुई = एक कप, गाजर चौकोर टुकड़ों में कटी हुई =1/2 कप, तेल = 3 चम्मच, जीरा = 1 चम्मच, तेज पत्ता =1, लौंग = 3, काली मिर्च = 1 चम्मच, पानी = 2 कप, नमक = स्वादानुसार।

मूंगफली पुलाव

सामग्री

सास के लिए, मूंगफली दाना = 1 कप, गुड = 1 चम्मच, लाल मिर्च पाउडर = 1 चम्मच, नमक = चम्मच, पानी = कप

बनाने की विधि

मूंगफली दाना भूनकर उसमें सारे मसाले मिला कर व पानी डाला कर उबाल लें। थोडा गलने पर उतार कर पीस लें। सास तैयार है।

सामग्री पुलाव के लिए

पके चावल = 2कप, अंकुरित मूंग =1 कप, उबले आलू = 2, बारिक कटी पत्ता गोभी = कप, गोल कटा प्याज = 2, नीम्बू = 2, पनीर = 50 ग्राम, तेल = तलने के लिए।

बनाने की विधि

कटे आलू व प्याज स्लाइस को तल लें। उबले चावल, अंकुरित मूंग, पत्ता गोभी, आलू, पनीर को मिला कर राइस प्लेट में निकाल लें। उपर से मूंगफली सास डाल कर नीम्बू निचोड दें। प्याज के स्लाइस से सजा कर गरम परोसे।

ज्यादा मजबूत होती हैं महिलाएं

पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं को हमेशा से कमजोर माना जाता रहा है, लेकिन हाल ही में आई एक रिसर्च में बताया गया है कि महिलाओं का इम्यून सिस्टम पुरुषों के मुकाबले ज्यादा स्ट्रॉन्ग होता है।

महिलाओं को बेचारी का तमगा देने में कतई देर नहीं लगाई जाती। खासकर हेल्थ के मामले में तो उन्हें हमेशा ही पुरुषों से कमतर माना जाता है, लेकिन क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने अपनी रिसर्च में इस गलतफहमी को दूर कर दिया है। उन्होंने अपनी रिसर्च में पता लगाया है कि पुरुषों का जुकाम महिलाओं के मुकाबले ज्यादा खतरनाक होता है। क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन के प्रोफेसर जॉन उपहम और उनकी पांच मेंबर्स की टीम ने अपनी रिसर्च में पता लगाया कि महिलाओं का इम्यून सिस्टम पुरुषों के मुकाबले ज्यादा स्ट्रॉन्ग होता है। और यही वजह है कि तमाम बीमारियां महिलाओं से दूर रहती हैं।

प्रोफेसर जॉन और उनकी टीम ने रिसर्च में यह पता लगाने की कोशिश की कि कॉमन कोल्ड के लिए जिम्मेदार रायनोवायरस से मुकाबले के लिए अलग-अलग जेंडर का इम्यून सिस्टम कैसे रिएक्ट करता है? क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी और प्रिंसेस एलेक्जेंड्रा हॉस्पिटल के रिसर्चर्स ने अपनी स्टडी में पता लगाया कि रायनोवायरस का अटैक होते ही सबसे ज्यादा नुकसान अस्थमा के मरीज को होता है और वे हॉस्पिटल पहुंच जाते हैं। इस प्रोसेस में रिसर्चर्स ने 50 साल से कम उम्र के हेल्दी मेल और फीमेल पर अलग-अलग नजर रखी और उन पर कोल्ड वायरस का असर जांचा। प्रोफेसर जॉन ने बताया, इस रिसर्च से हमें पता लगा है कि फीमेल हॉर्मोन्स से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। इसलिए हम कोशिश कर रहे हैं कि इसका फायदा उठाने के लिए कोई वैक्सीन डेवलप की जा सके।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राहुल गांधी की मोदी सरकार को नसीहत- मुनाफ़ाख़ोरी बंद करो, पेट्रोल-डीज़ल के दाम कम करो

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

पेट्रोल-डीजल के लगातार बढ़ रहे कीमतों में के खिलाफ आज कांग्रेस राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन कर रही है। इसी कड़ी में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक कैंपेन की शुरुआत कर लोगों से इसमें जुड़ने की अपील कर रहे हैं। अब उन्होंने एक और वीडियो जारी कर सरकार को मुनाफ़ाख़ोरी बंद करने की नसीहत दी। राहुल गांधी ने सोमवार को ट्वीट कर कहा लिखा कि सरकार पेट्रोल-डीज़ल से मुनाफ़ाख़ोरी बंद करे, एक्साइज़ दर तुरंत घटाए और दाम कम करे वहीं इससे पहले भी उन्होंने पेट्रोल डीजल की कीमतें बढ़ाने के सरकार के फैसले को जनता के साथ अन्याय बताते हुए लोगो से इसके विरुद्ध शुरू किये गये अभियान में शामिल होने का आह्वान किया था। कांग्रेस नेता ने चार मिनट का वीडियो भी पोस्ट किया था, जिसमें पार्टी ने कहा है कि निष्ठुर केंद्र सरकार ने लोगो को उनके हालात पर छोड़ दिया है और लोगो के घावों पर मरहम लगाने की बजाय नमक छिड़क रही है। वीडियो में कहा गया कि लोगों के पास रोज़गार नहीं है और केंद्र सरकार 21 दिनों से हर रोज दाम बढ़ाए जा रही है। ऐसे में भाजपा सरकार लोगों के जख्मों में मरहम लगाने की बजाय नमक रगड़ रही है। वीडियो में लोगों से अपील की गई कि आओ मिलकर भाजपा सरकार के खिलाफ आवाज उठाएं। गौरतलब है कि पार्टी ने आज दिल्ली तथा प्रदेशो की राजधानी में''स्पीक अप अगेंस्ट फ्यूल हाइक कैंपेन' का आयोजन कर सरकार से पेट्रोल और डीजल की बढ़ी दरे वापस लेने का आग्रह किया है।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानियों के खिलाफ पेरेंटस ने खोला मोर्चा, शुरू की भूख हड़ताल

जम्मू(एजेंसी)।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी लूट-खसूट से अब अविभावक तंग आ गये हैं। सोमवार को अविभावकों ने जम्मू के प्रदर्शनी मैदान के बाहर भूख हड़ताल शुरू कर दी। उनका आरोप है कि लॉकडाउन के कारण बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह से प्रभावित है पर स्कूल धड़ल्ले से फीस व अन्य चार्जस को लेकर उन्हें परेशान कर रहे हैं। पेरेंटस ने शिक्षा विभाग के खिलाफ भी नारेबाजी की। उन्होंने पिछले पांच साल का आडिट सार्वजनिक करने की मांग की है। ऑल पेरेंटस एसोसिएशन जम्मू के बैनर तले पेरेंटस ने क्रमिक भूख हड़ताल शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि मीडिया भी लगातार स्कूलों की लूटखसूट दिखाा रहा है पर उसके बाद भी शिक्षा विभाग और सरकार प्राइवेट स्कूलों की नाक में नकेल नहीं डाल रही है। सिर्फ यही नहीं बल्कि उन्होंने कहा कि यह अटैचियों के रिश्ते हैं और यही कारण है कि शिक्षा का स्तर गिरता जा रहा है और प्राइवेट स्कूलों के महल बनते जा रहे हैं। एसोसिएशन के प्रधान कपूर ने कहा कि पेरेंटस टीचरों की सैलरी हेतु 20 प्रतिशत तक फीस देने को तैयार हैं पर स्कूल पूरी फीस की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि टीचर स्कूलों पर निर्भर हैं और पेरेंटस इस बात को समझते हैं। वहीं उन्होंने यह भी कहा कि स्कूल मां-बाप पर दवाब बनाते हैं कि किताबें उन्हीं की बताई दुकानों से खरीदी जाएं ताकि स्कूलों को भी लाभ मिल सके और यह सरासर जालसाजी है।

कपूर ने कहा कि लॉकडाउन में प्राइवेट काम करने वालों को वेतन नहीं मिल रहे हैं, दुकानदारों के काम बंद हैं तो फीस कहां से दें। सरकार को इस तरफ ध्यान देना चाहिये।

8 साल पुराने ट्वीट को शेयर कर फस गए शशि थरूर, अनुपम खेर ने बताया- दिमाग से कंगाल

नेशनल डेस्क। कांग्रेस नेता शशि थरूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वह अकसर ट्विटर के माध्यम से मोदी सरकार पर हमले बोलते रहते हैं। इस बार उन्होंने बॉलीवुड एक्टर अनुपम खेर को घेरने के लिए पुराने ट्वीट का सहारा लिया ,जिसे लेकर वह खुद ही लोगों के निशाने पर आ गए। शशि थरूर ने अनुपम खेर के 2012 में किए गए एक ट्वीट को रीट्वीट कर नई बहस छेड़ दी। थरूर ने ट्वीट का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा धन्यवाद आपके साथ पूरी तरह से यहां सहमत हूं, उन्होंने मार्क ट्वेन के एक उद्धरण के साथ लिखा। देशभक्ति आपके देश में हर समय और आपकी सरकार का समर्थन करती है। दरअसल खेर ने यह ट्वीट 9 अक्टूबर 2012 को किया था। इसमें उन्होंने एडवर्ड एबे का एक कोट ट्वीट किया था जिसमें लिखा था- एक देशभक्त को हमेशा अपनी सरकार के खिलाफ आवाज उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। अनुपम खेर ने इस पर जवाब देते हुए लिखा कि प्रिय शशि थरूर! आपने मेरे 2012 के ट्वीट को ढूंढकर निकाला, आज उस पर टिप्पणी की। ये न केवल आपकी बेरोज़गारी और दिमागी कंगाली का प्रमाण है। बल्कि आप इंसानी तौर पर कितना गिर चुके हैं, इसका भी सबूत है।

कश्मीर में एलपीजी स्टॉक रखने संबंधी सरकारी आदेश मानसून के मद्देनजर जारी किया गया : अधिकारी

श्रीनगर । तेल विपणन कंपनियों को कश्मीर घाटी में एलपीजी सिलेंडरों की करीब दो महीने की आपूर्ति का स्टॉक रखने का निर्देश देने संबंधी एक सरकारी आदेश को लेकर जताई जा रही अटकलों पर रविवार को जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने विराम लगाया दिया। उन्होंने स्पष्ट किया है कि मानसून के दौरान भारी बारिश के चलते बार-बार राजमार्गों के अवरुद्ध होने के कारण सिलेंडरों के भंडारण का यह आदेश दिया गया है। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा, हम सभी जानते हैं कि बारिश के दिनों में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 रामबन-जवाहर टनल के बीच प्रभावित रहता है। वर्तमान में हम कश्मीर में करीब एक महीने का भंडार रखकर चलते हैं। उन्होंने कहा, हमने एलपीजी कंपनियों को करीब दो महीने का स्टॉक रखने की संभावनाओं पर विचार करने का अनुरोध किया है ताकि अगले तीन महीने तक बारिश अथवा अन्य कारणों के चलते राजमार्ग बंद होने की सूरत में लोगों के बीच अफरा-तफरी का माहौल नहीं बने। उन्होंने कहा कि इस आदेश को लेकर कई लोग अफवाह फैला रहे हैं। कश्मीर में खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के विभाग के निदेशक द्वारा भंडारण संबंधी आदेश जारी किए गए थे।

पेट्रोल-डीजल को लेकर सियासत! महंगी गाड़ियों को छोड़ बैलगाड़ी पर निकले कांग्रेस नेता

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

कांग्रेस की युवा इकाई के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में हो रही बढ़ोतरी के खिलाफ सोमवार को बैलगाड़ी पर बैठकर जुलूस निकाला। भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी की अगुवाई में संगठन के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने रायसीना रोड स्थित युवा कांग्रेस के मुख्यालय से शास्त्री भवन की ओर यह जुलूस निकाला, हालांकि पुलिस ने शास्त्री भवन से कुछ दूरी पर ही इन्हें रोक दिया। दरअसल, शास्त्री भवन में पेट्रोलियम मंत्रालय का दफ्तर है। श्रीनिवास ने कहा कि 2014 से पहले भाजपा महंगाई को डायन कहती थी, लेकिन अब उसे महंगाई नजर नहीं आ रही है। इतना दोहरा मापदंड भाजपा के लोगों ने कहां से सीखा है? उन्होंने पेट्रोल-डीजल की कीमत में बढ़ोतरी वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि आज पेट्रोलियम मंत्रालय तक बैलगाड़ी के साथ युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। अगर पेट्रोल-डीजल के बढ़े दाम वापस नहीं लिए गए तो ये लड़ाई सड़क से लेकर संसद तक लड़ी जाएगी। गौरतलब है कि पेट्रोल, डीजल के दाम में वृद्धि का सिलसिला लगातार 22वें दिन सोमवार को भी जारी रहा। डीजल के दाम सोमवार को 13 पैसे बढ़कर 80.53 रुपये प्रति लीटर की नई ऊंचाई पर पहुंच गये। पिछले तीन सप्ताह में डीजल के दाम में कुल मिलाकर 11.14 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हो चुकी है।

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों की मूल्य अधिसूचना के मुताबिक सोमवार को पेट्रोल के दाम में पांच पैसे प्रति लीटर और डीजल के दाम में 13 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की गई।

गुवाहाटी हाई कोर्ट ने पलटा फैसला, बोला- पत्नी का शंख-संदूर पहनने से इंकार मतलब शादी तोड़ना

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

गुवाहाटी हाईकोर्ट ने एक तलाक की याचिका पर सनुवाी करते हुए कहा कि हिंदू रीति-रिवाज के साथ हुई शादी के बाद अगर कोई महिला सिंदूर व शंख पहनने से मना करती है तो इसका मतलब उसे विवाह स्वीकार नहीं है। जस्टिस अजय लांबा और जस्टिस सुमित्रा साइकिया की बेंच ने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में, पति को पत्नी के साथ वैवाहिक जीवन में बने रहने के लिए मजबूर करना उत्पीड़न माना जा सकता है। दरअसल फैमिली कोर्ट ने एक पति की तलाक याचिका को खारिज कर दिया था। फैमिली कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा था कि पत्नी ने पति के खिलाफ कोई क्रूरता नहीं की। इसके बाद पति गुवाहटी हाईकोर्ट गया। पति ने अपनी याचिका में कहा कि पत्नी ने शादी के बाद सिंदूर और शंख पहनने से इंकार कर दिया था। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि हिंदू विवाह की प्रथा के तहत, एक महिला जो हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार शादी में शामिल हुई और उसने शादी की सारी रस्में भी निभाईं लेकिन शंख और संदूर पहनने से मना कर दिया तो यह साफ है कि वह पति के साथ नहीं रहना चाहती है। फरवरी 2012 में पति ने आरोप लगाया शादी के एक महीने तक उसकी पत्नी अपने ससुराल में एक साथ रही लेकिन फिर उसने मांग की कि वह पति के साथ परिवार से अलग होकर रहना चाहती है।

पत्नी की इस मांग से परिवार में रिश्ते खराब होने लगे। पत्नी ने भी झगड़े शुरू कर दिए। एक साल तक ऐसा ही रहा। बच्चा न होने पर पत्नी ने पति पर आरोप लगाए। साल 2013 में महिला ने ससुराल छोड़ दिया ।

अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी ने छोड़ी हुर्रियत कॉन्फ्रेंस, कहा– पार्टी में ठीक नहीं हालात

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर के अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी ने हुरियत कॉन्फ्रेंस से खुद को अलग कर दिया है। उन्होंने एक ओडियो मैसेज जारी कर पार्टी से इस्तीफा देने का ऐलान किया। शाह ने हुर्रियत के मौजूदा हालात को देखते हुए यह फैसला लिया है। गिलानी ने ऑडियो मैसेज में कहा कि हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के ताजा हालातों को देखते हुए मैं इस फोरम से अपने इस्तीफे की घोषणा करता हूं। फैसले के बारे में हुर्रियत के सारे लोगों को चिट्ठी लिखकर कर सूचना दे दी गई है। दरअसल गिलानी की सेहत पिछले कुछ दिनों से ठीक नहीं चल रही है, ये भी उनके इस्तीफा का मुख्य कारण माना जा रहा हैं ।

बता दें कि 90 साल के गिलानी पिछले साल एक वीडियो को लेकर भी विवादों में घिर गए थे। इसमें वह हम पाकिस्तानी हैं और पाकिस्तान हमारा है । कहते सुनाई दिए थे। साल 2014 में भी उन्होंने कहा था कि कश्मीर भारत का आंतरिक मुद्दा नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मुद्दा है। गिलानी और कुछ दूसरे हुरियत नेताओं के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने लश्कर-ए-तैयबा से कथित तौर पर फंड लेने पर मामले में जांच भी गई थी।

कांग्रेस को हजम नहीं हो पा रहा कि अब रिमोट से चलने वाली सरकार नहीं है: नकवी

नई दिल्ली(एजेंसी)।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने चीन के साथ गतिरोध को लेकर कांग्रेस एवं राहुल गांधी के हमले पर पलटवार करते हुए सोमवार को कहा कि विपक्षी पार्टी को यह हजम नहीं हो पा रहा है कि मौजूदा सरकार रिमोट से नहीं चलती है। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए यह दावा भी किया कि अपने को महाज्ञानी साबित करने की कोशिश में वह हर दिन कांगेस का बंटाधार कर रहे हैं। नकवी के कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक मंत्री ने रामपुर में केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) के तहत 92 करोड़ रूपए की लागत के सांस्कृतिक सद्भाव मंडप के शिलान्यास के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया, कांग्रेस की स्थिति अधजल गगरी-छलकत जाय की हो गई है। उन्हें (राहुल को) ज्ञान किसी चीज का नहीं, लेकिन अपने को महाज्ञानी हर मुद्दे पर साबित करने की कोशिश में हर दिन अपनी पार्टी का ही बंटाधार कर रहे हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता नकवी ने आरोप लगाया, कांग्रेस सामंती सुरूर- सत्ता के गुरुर में अभी भी चकनाचूर है। रस्सी जल गई, पर बल नहीं गया। कांग्रेस के नेता आज भी सरकार को निर्देश-आदेश देते हैं कि राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, गरीबों के कल्याण, किसानों के हित में उनकी सोंच-समझ के हिसाब से काम किया जाए। उन्होंने कहा, वो हजम नहीं कर पा रहे हैं कि आज वो सरकार नहीं है जिसे वो रिमोट से चलाते थे। आज देश के सम्मान, सुरक्षा, समृद्धि को समर्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार है जो देश के सम्मान-सुरक्षा एवं गरीबों की समृद्धि के लिए मजबूती से काम कर रही है। विकास के संकल्प से सराबोर सरकार है। गौरतलब है कि कांग्रेस और राहुल गांधी लद्दाख में चीन के साथ चल रहे गतिरोध को लेकर इन दिनों नियमित तौर पर सरकार से सवाल पूछ रहे हैं और देश को गुमराह करने का आरोप लगा रहे हैं। नकवी ने रामपुर में जिस सांस्कृतिक सद्भाव मंडप का शिलान्यास किया उसमें कौशल विकास का प्रशिक्षण, विभिन्न आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियां, कोचिंग, कोरोना जैसी आपदा में लोगों को राहत देने की व्यवस्था एवं खेल-कूद की गतिविधियां हो सकेंगी। उन्होंने कहा, च्आजादी के बाद पहली बार मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) के तहत देश भर के पिछड़े क्षेत्रों में आर्थिक-शैक्षिक-सामाजिक एवं रोजगारपरक गतिविधियों के लिए बड़ी संख्या में बुनियादी ढांचे का निर्माण कराया है। इनमें 1512 नए स्कूल भवनों, 22514 अतिरिक्त कक्षों; 630 छात्रावासों का निर्माण तथा दूसरी सुविधाएं शामिल हैं। मंत्री के अनुसार उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के तहत पिछले 3 वर्षों में 3 हजार करोड़ रूपए की लागत से 1 लाख 84 हजार 980 विकास परियोजनाओं का निर्माण कराया है।

अनोखी योजना: किताबों के साथ मास्क फ्री कोविड सेंटरों में किताब फ्री

नई दिल्ली। हिंदी के राजकमल प्रकाशक ने कोरोना महामारी को नियंत्रित करने के लिए लागू लॉकडाउन में पाठकों को किताबों के साथ मुफ्त में मास्क देने और कोविड- सेंटरों में मरीजों को मुफ्त में किताब वितरित करने की अनोखी योजना बनाई है । राजकमल प्रकाशन के प्रबंधक अशोक माहेश्वरी ने यूनीवार्ता को बताया की उन्होंने राजधानी के तीन कोविड सेंटरों में करीब डेढ़ सौ किताबें मरीजों को मुफ्त वितरित की हैं जिनमें गांधी और प्रेमचंद से लेकर मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक और गुलजार की किताबें भी शामिल है और मरीजों को उन्हें पढ़कर काफी राहत महसूस हो रही है और उनका तनाव भी दूर हो रहा है । उनके जीवन में सकारात्मकता बढ़ रही हैं । माहेश्व री ने बताया कि राजधानी के दो और कोविड-19 में मुफ्त किताब भेजने की उनकी योजना जल्दी ही लागू होगी। इसके अलावा छह मई के बाद से उन्होंने हर खरीदार को किताबों के साथ मुफ्त में मास्क देने की योजना भी लागू की है और अब तक गरीब 1500 से अधिक पाठकों को उन्होंने मुफ्त में मास्क वितरित किए हैं । उन्होंने बताया कि उन्होंने शुरू में 2000 सूती मास्क खुद ही बनवाए थे और अब उनकी बढ़ती मांग को देखकर 2000 और मास्क बनवाने का आर्डर दिया है । पाठकों को किताबों के साथ मुफ्त मास्क मिलकर उन्हें अच्छा लग रहा है क्योंकि लॉकडाउन में कई लोग बाहर निकल कर मास्क खरीदने की स्थिति में नहीं है इसलिए जब उन्हें किताबों के साथ मास्क फ्री में मिलता है तो उन्हें इससे राहत मिलती है । उन्होंने यह भी कहा कि पुस्तकों के साथ फ्री में मास्क बांटने की योजना कम से कम इस वर्ष दिसंबर माह तब चलेगी और संभव हुआ तो अगले वर्ष भी जारी रखेंगे। माहेश्वरी ने प्रकाशन जगत में लॉकडाउन के दौरान गहराते संकट पर भी चिंता व्यक्त की और कहा कि सरकार को इस मामले में तत्काल हस्तकक्षेप करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

चीन ने भारतीयों को स्पेशल फ्लाइट से उड़ान भरने की नहीं दी अनुमति

बीजिंग। कोरोना वायरस के कारण चीन में फंसे राजनयिकों के परिवारों सहित कई भारतीयों पर शी जिनपिंग सरकार ने उड़ान भरने ले रोक दिया। सोमवार की सुबह नई दिल्ली से ग्वांगझोउ शहर के लिए एक विशेष एयर इंडिया के विमान ने उड़ान भरना थी लेकिन उसे अनुमति नहीं दी गई। इसके पीछे 21 जून को शंघाई की स्पेशल फ्लाइट में दो भारतीयों के कोविड-19 पॉजिटिव आने की वजह बताई गई है। चीनी प्रशासन ने भारत से ग्वांगझोउ शहर के लिए खाली उड़ान की अनुमति दी। सोमवार को वंदे भारत मिशन के तहत एयर इंडिया के विशेष विमान ने ग्वांगझोउ से 86 भारतीयों को लेकर उड़ान भरी थी। इसके साथ ही 21 जून को शंघाई फ्लाइट के जरिए से भी 186 भारतीय वापस वतन लौटै थे। विशेष एयरलिफ्ट और कूटनीतिक पासपोर्ट के साथ भी भारतीयों को अनुमति नहीं देने का चीन का यह फैसला एक संकेत है कि दोनों देशों के बीच कर्मशियल उड़ानों के जल्द ही फिर से शुरू होने की संभावना नहीं है। हमारे सहयोगी अंग्रेजी अखबार हिन्दुस्तान टाइम्स ने चीनी विदेश मंत्रालय से जानकारी मांगी कि सीमा पर चल रहे दोनों देशों के बीच तनाव के बीच क्यों राजनयिकों के परिवारों को अनुमति नहीं दी गई। चीनी विदेश मंत्रालय ने सोमवार को लिखित बयान में कहा, हाल ही में, चीन ने कुछ भारतीय राजनयिकों और उनके परिवारों की चीन में वापसी की व्यवस्था में मदद की है। मंत्रालय ने आगे कहा, अस्थायी उड़ान में कोरोना के पुष्ट मामलों की संख्या के मद्देनजर चीन और भारत ने पहले ही सहमति जताई थी कि 29 जून को ग्वांगझोउ जाने वाली फ्लाइट में कोई यात्री नहीं होगा। राजनयिकों के परिवारों और अधिकारियों समेत 21 जून की फ्लाइट में 100 से ज्यादा भारतीय थे। 21 जून को शंघाई लौटने वाली फ्लाइट में तीन विदेशी नागरिकों के कोरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई है। शंघाई स्वास्थ्य आयोग ने बताया है कि इन तीनों में दो भारतीय और एक अमेरिकी नागरिक शामिल है।

साध्वी प्रज्ञा ने राहुल गांधी की देशभक्ति पर उठाए सवाल, कांग्रेस बोली- गोड़से भक्त देशभक्ति न सिखाएं

भोपाल । अक्सर विवादित बयानों के कारण चर्चा में रहने वाली भोपाल से बीजेपी सांसद साध्वी प्रज्ञा ने एक बार फिर कुछ ऐसा बयान दिया है, जिससे सियासत गर्म हो चली है। मीडिया से बात करते हुए सांसद साध्वी प्रज्ञा ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी की देशभक्ति पर सवाल उठाए हैं। जिसके बाद कांग्रेस नेता व पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने भी साध्वी प्रज्ञा पर पलटवार करते हुए कहा है कि गोड़से भक्त राष्ट्र भक्ति न सिखाएं। दरअसल भोपाल में साध्वी प्रज्ञा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में न तो संस्कार हैं और न ही सभ्यता, तो इन्हें देशभक्ति आएगी कैसे। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी की देशभक्ति पर सवाल उठाते हुए कहा कि विदेशी महिला की कोख से जन्म लेने वाला शख्स कभी राष्ट्रभक्त नहीं हो सकता। जो शख्स दो देशों की नागरिकता रखता है उसे राष्ट्रभक्ति कैसे आएगी । साध्वी प्रज्ञा के इस बयान के बाद कांग्रेस नेता जीतू पटवारी ने भी बिना नाम लेते हुए पलटवार किया। ट्वीट करते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी देश भक्त आतंकवादी नहीं हो सकता है! कोई गोडसे भक्त देश भक्त नही हो सकता है!

मां बेटी आतंकवादियों की भर्ती में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार

श्रीनगर । जम्मू कश्मीर पुलिस ने मारे गए एक आतंकवादी की मां और कुलगाम में सक्रिय एक आतंकवादी की बहन को आतंकवादियों की भर्ती करने में उनकी कथित संलिप्तता के लिए गिफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अन्य अधिकारी ने बताया, गिरफ्तार की गई महिला की एक तस्वीर जिसमें वह अपने बेटे के साथ एक स्वचालित हथियार चला रही है, अपने आप सब कुछ कह देती है। उस वक्त उसका बेटा सक्रिय आतंकवादी था। जम्मू कश्मीर पुलिस ने उन आलोचनाओं को खारिज किया कि वह आतंकवादियों के परिजन को बिना सबूत के निशाना बना रही है। उन्होंने कहा कि कानून के प्रावधानों के अनुरूप गिरफ्तारियां की गई हैं। कश्मीर जोन पुलिस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर पोस्ट किया, पुलिस बिना सबूत के आतंकवादियों के परिवार को निशाना नहीं बनाती। सक्रिय आतंकवादी अब्बास शेख की बहन और मारे जा चुके आतंकवादी तौसीफ की मां नसीमा बानो को युवाओं को आंतकवादी रैंक में भर्ती करने में हालिया संलिप्तता के कारण 20 जून 2020 को गिरफ्तार किया गया।

आसमान में चमकी 700 किलोमीटर लंबी बिजली, बन गया विश्व रिकॉर्ड

नेशनल डेस्क। ब्राजील में पिछले वर्ष 700 किलोमीटर लंबी आसमानी बिजली चमकी थी और इसकी लंबाई बोस्टन और वाशिंगटन डीसी के बीच की दूरी के बराबर थी। इसने एक नया विश्व रिकार्ड बनाया है क्योंकि यह अब तक सामने आयी सबसे लंबी बिजली की चमक है। यह घोषणा संयुक्त राष्ट्र की मौसम एजेंसी ने की है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) की एक समिति के विशेषज्ञों ने कहा कि सबसे अधिक लंबाई वाली और सबसे अधिक समय के लिए आसमान बिजली की चमक के विश्व के दो नये रिकार्ड ब्राजील और अर्जेंटीना में बने हैं। बिजली की चमक के 2019 दौरान के नये रिकार्ड पूर्व में दर्ज आसमानी बिजली की चमक से आकार और अवधि के मामले में दोगुने हैं। उत्तरी अर्जेंटीना के ऊपर चार मार्च 2019 को दिखी आसमानी बिजली की चमक 16.73 सेकंड तक रही। दक्षिणी ब्राजील में पिछले वर्ष 31 अक्टूबर को दिखी दूसरी आसमानी बिजली की चमक का आकार 700 किलोमीटर से अधिक लंबा था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना वायरस महामारी के वैश्विक स्तर पर बने 2 नए रिकॉर्ड

इंटरनेशनल डेस्क (एजेंसी)।

पूरी दुनिया में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और रविवार को इससे जुड़े दो रिकॉर्ड कायम हो गए। पूरी दुनिया में इससे मरनेवालों की संख्या पांच लाख के पार चली गई है और संक्रमितों की संख्या एक करोड़ के पार हो गई। वहीं एक दिन में संक्रमण के नए रिकॉर्ड भी कायम हुए। इन आंकड़ों ने शहरों और बाजारों को खोलने की सरकारों की कोशिशों को झटका दिया है। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबोट ने कहा, '' पिछले कुछ हफ्तों में कोविड-19 ने टेक्सास में खतरनाक मोड़ ले लिया है।'' गवर्नर ने मई की शुरुआत में कारोबार शुरू करने की मंजूरी दी थी लेकिन बढ़ते मामलों को देखते हुए उन्होंने शुक्रवार को बारों को बंद कर दिया और रेस्तरां में भी बैठकर भोजन करने को सीमित कर दिया। कैलीफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसोम ने लॉस एंजिलिस समेत सात काउंटी में बार खोलने के फैसले को वापस ले लिया। उन्होंने बार को तत्काल बंद करने का आदेश दिया और अन्य आठ काउंटी से इसी तरह के फैसले लेने की अपील की। फ्लोरिडा के गवर्नर रोन डेसैन्टिस ने कहा कि फिर से फ्लोरिडा के कई समुद्र तट को बंद किया जाएगा ताकि संक्रमण के प्रसार को रोका जा सके। वहीं दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य मंत्री ज्वेलिनी मखाइज ने भी आने वाले हफ्तों में देश में तेजी से संक्रमण फैलने की आशंका व्यक्त की है। इंग्लैंड के लाइसेस्टर और स्विस नाइट क्लबों से भी संक्रमण के मामले आ रहे हैं जो यह दिखाते हैं कि यूरोप में भी संक्रमण फैल रहा है। इसी बीच पोलैंड और फ्रांस में चीजें सामान्य होने की तरफ बढ़ रही हैं। यहां वायरस की वजह से चुनावों में देरी हुई थी लेकिन अब चुनाव हो रहे हैं। यहां लोग मास्क, सामाजिक दूरी का पालन करते हुए वोट डाल रहे हैं। जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि रविवार तक कोरोना वायरस महामारी की वजह से मरने वालों का आंकड़ा पांच लाख के पार चला गया। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि इस महामारी से मरने वालों की संख्या उल्लेखनीय रूप से अधिक होगी। पूरी दुनिया में संक्रमण के मामले एक करोड़ के आंकड़े को पार कर गए। इनमें से एक चौथाई संख्या अमेरिका में हैं। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक दिन में दुनियाभर में रिकॉर्ड स्तर पर कोरोना वायरस संक्रमण के मामले दर्ज किए हैं।

जापान ने जी7 में द.कोरिया को शामिल करने के अमेरिकी प्रस्ताव पर जताई आपत्ति

टोक्यो (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले महीने भारत समेत रूस, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया को इस साल के जी 7 शिखर सम्मेलन में शामिल करने का प्रस्ताव जापन ने विरोध किया है। जापान ने जी 7 में दक्षिण कोरिया को शामिल करने के अमेरिकी प्रस्ताव पर आपत्ति जताई है। उसका कहना है कि चीन और उत्तर कोरिया से संबंधित अहम मुद्दों पर दक्षिण कोरिया, जी 7 के देशों से अलग राय रखता है। राजनयिक सूत्रों का हवाला देते हुए जापान की न्यूज एजेंसी क्योदो ने इसकी पुष्टि की है। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने भारत समेत रूस, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया को इस साल के जी 7 शिखर सम्मेलन में शामिल करने का प्रस्ताव दिया था। उन्होंने जी 7 को पुराना करार देते हुए वर्तमान वैश्विक परिदृश्य के अनुरूप होने की बात कही थी।

विश्व की सात बड़ी अर्थव्यवस्था के इस समूह में अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, कनाडा, जर्मनी, फ्रांस और इटली पहले से ही शामिल हैं। इनमें एशिया महाद्वीप से जापान एक मात्र देश है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इस विशेष दर्जे को जापान खोना नहीं चाहता है। इस वर्ष का जी 7 शिखर सम्मेलन इसी माह होने वाला था, लेकिन कोरोना महामारी के चलते अब इसे सितंबर में आयोजित किया जाएगा।

पाकिस्तान के कराची में आतंकी हमला, बलोच लिबरेशन आर्मी ने ली जिम्मेदारी

इंटरनेशनल डेस्क (एजेंसी)।

पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज पर भारी हथियारों से लैस चार आतंकवादियों ने सोमवार सुबह हमला कर दिया, जिसमें चार सुरक्षा गार्ड और एक पुलिस उपनिरीक्षक की मौत हो गई। मीडिया में आई खबरों में बताया गया कि गोलीबारी में चारों आतंकवादी भी मार गिराए गए हैं। जियो न्यूज ने खबर दी कि अज्ञात आतंकवादियों ने इमारत के मुख्य द्वार से प्रवेश करने की कोशिश करते हुए अंधाधुंध गोलियां चलाई और हथगोले फेंके। पुलिस ने बताया कि सभी आतंकवादियों को मार गिराया गया है जबकि पांच लोग हमले में घायल हो गए। हमले में चार सुरक्षा गार्ड और पुलिस के एक उपनिरीक्षक की मौत भी हो गई। पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज के निदेशक आबिद अली हबीब ने कहा कि पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई। वे हमारे पार्किंग क्षेत्र से घुसे और हर किसी पर गोली चला दी। आतंकवादियों की गोलीबारी से इमारत में मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सिंध प्रांत के गवर्नर इमरान इस्माइल ने घटना की निंदा की है। उन्होंने ट्विटर पर लिखा कि पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज पर किये गये हमले की कड़ी निंदा करता हूं। यह हमला आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई को कमजोर करने के लिये किया गया है।

आईजी और सुरक्षा एजेंसियों को घटना को अंजाम देने वालों को जिंदा पकड़ने और उनके आकाओं को कड़ी सजा देने का निर्देश दिया गया। हम सिंध की हर कीमत पर रक्षा करेंगे। पुलिस और रेंजर घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं

मुंबई हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद के भारतीय मूल के वकील की मौत

पेशावर (एजेंसी)।

मुंबई हमले के मुख्य मास्टरमाइंड हाफिज सईद के भारतीय मूल के वकील की मौत हो गई। भारत में जन्मे अब्दुल्ला खान डोगर (86) ने रविवार को एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। बंटवारे के बाद डोगर का परिवार भारत के उत्तर प्रदेश के रामपुर से पाकिस्तान चला गया था। वह लाहौर उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश मामून राशिद शेख के ससुर थे। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी है डोगर कई वर्षों तक जमात-उद-दावा के प्रमुख के वकील रहे और 2008 मुम्बई आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तानी अदालतों में उन्होंने सईद के मामले की पैरवी की थी। इस हमले में 166 लोग मारे गए थे। वह आतंक वित्तपोषण मामलों में भी सईद के प्रमुख वकील थे। इस मामले में सईद को 11 साल की सजा सुनाई गई थी।डोगर ने पूर्व सैन्य तानाशाह जनरल (सेवानिवृत्त) परवेज मुशर्रफ के तख्तापलट को 1999 में उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी। इसके अलाव पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को हिरासत में लिए जाने के खिलाफ उनकी पत्नी कुलसुम नवाज का केस भी लड़ा था।

संक्षिप्त समाचार

ताइवान में कोरोना महासंकट के बीच करवाई गई एलजीबीटी प्राइड परेड

ताइपे। ताइवान में कोरोना वायरस महामारी पर नियंत्रण के संकेतों के बीच राजधानी तइपे में रविवार को वार्षिक एलजीबीटी प्राइड परेड का आयोजन किया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आम तौर पर परेड में लाखों लोग शामिल होते हैं लेकिन कोरोना वायरस संकट और भारी बारिश के कारण पेरड में यहां बेहद कम लोग शामिल हुए। उसने बताया कि रविवार को परेड में 1,000 से अधिक लोग शामिल हुए थे। परेड में शामिल हुए लोगों ने कहा कि यह परेड ताइवान की महामारी से निपटने की क्षमता और सभी लैंगिक समुदायों के अधिकारों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता की गवाह है। ताइवान एशिया का एकमात्र देश है जहां समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता प्राप्त है और उनकी उदार राजनीतिक प्रणाली ने हमेशा अभिव्यक्ति की आजादी और एकत्रित होने की स्वतंत्रता को बढ़ावा दिया है। परेड में हिस्सा लेने वाली अमेरिकी छात्रा लॉरेन कॉज (28) ने कहा कि परेड आयोजित करने की ताइपे की क्षमता ''वास्तव में प्रभावित करने वाली है''। उन्होंने कहा, '' मुझे लगता है कि ताइवान ने अभी तक काफी अच्छा काम किया है और मुझे यहां रहने पर गर्व है। सिर्फ इसलिए नहीं कि यह मेरे जैसे समलैंगिक समुदाय के लोगों के प्रति उदार है, बल्कि इसलिए कि यह विश्व के लिए एक उदाहरण है कि महामरी से कैसे निपटना चाहिए।'' न्यूयॉर्क उन शहरों में शामिल है, जिसने सामाजिक दूरी बनाए रखने का हवाला देते हुए 'गे प्राइड परेड' रद्द करने पर जोर दिया था। पृथक केन्द्रों की सुविधा और संक्रमितों के सम्पर्क में आए लोगों की पहचान तेज करने के बाद से कोविड-19 के मामले कम होता देख ताइवान ने ऐसे अधिकतर प्रतिबंध हटा दिए थे। इस 2.37 करोड़ आबादी वाले द्वीप में कोरोना वायरस के 447 मामले सामने आए हैं, जिनमें से सात लोगों की जान गई है।

कोरोना वायरस से डरे इराक के सांसद, संसद सत्र में शामिल होने से किया इंकार

इंटरनेशनल डेस्क। इराक के सांसदों ने कोरोना वायरस के खतरे को ध्यान में रखते हुए संसद के सत्र में शामिल होने से इंकार किया है। इराकी शफाक न्यूज एजेंसी ने संसदीय सूत्रों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक हालांकि इस बात के कोई संकेत नहीं हैं कि संसद का सत्र निकट भविष्य में कब आयोजित किया जायेगा, अलबत्ता वीडियो कांफ्रेंस के जरिए संसदीय बैठक की संभावनाएं तलाशी जा रही है। सूत्रों के अनुसार देश के 30 से अधिक सांसद कोरोना की चपेट में आए हैं और इनमें से कुछ अभी तक ठीक नहीं हुए हैं। इराक में अब तक 45,402 लोगों के कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है और 1756 लोगों की इस बीमारी से मौत हो चुकी है जबकि 21,000 से अधिक लोग रोगमुक्त हो चुके हैं। देश में कर्फ्यू लगातार प्रभावशील है तथा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाएं निलंबित है।

दक्षिण-पश्चिमी चीन में बाढ़े में कम से कम 12 लोगों की मौत

बीजिंग। दक्षिण-पश्चिमी चीन के सिचुआन प्रांत के अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के बाद आई बाढ़ से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 10 लोग लापता हैं। काउंटी सरकार ने बताया कि सिचुआन की मियानिंग काउंटी में शुक्रवार और शनिवार को तूफान के बाद बाढ़ आई और यीहाई बाढ़ से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र है। बाढ़ से क्षतिग्रस्त राजमार्ग के पास नदी में दो वाहन डूब गए। उस इलाके से 7,705 लोगों को निकाला गया है। राष्ट्रीय आपात प्रबंधन मंत्रालय ने रविवार को कहा कि जून की शुरुआत से बाढ़ का प्रकोप जारी है, जिसमें 78 लोग मारे गए या लापता हैं। 1,00,000 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हुए हैं और कुल मिला कर 25 अरब युआन से अधिक का आर्थिक नुकसान हुआ है।

अमेरिकी स्वास्थ्य सचिव की चेतावनी 'मोहलत खत्म हो रही है'

वाशिंगटन। अमेरिका के स्वास्थ्य मंत्री एलेक्स अजार ने चेतावनी दी कि कोरोना वायरस पर प्रभावी लगाम लगाने के लिये अमेरिका के पास उपलब्ध मोहलत खत्म होती जा रही है। अजार ने संक्रमण के मामलों में हाल में आई तेजी का उल्लेख किया खासतौर पर दक्षिण में। उन्होंने कहा कि लोगों को खास तौर पर ''हॉट जोन में'' सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करना और मास्क पहनने जैसा जिम्मेदाराना व्यवहार करना होगा। अजार ने दलील दी कि दो महीने पहले के मुकाबले अमेरिका कोरोना वायरस संक्रमण से लड़ने के लिये अब बेहतर स्थिति में है क्योंकि वह ज्यादा जांच कर रहा है और कोविड-19 के निदान के अस्पताल में भर्ती होने वालों और मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है क्योंकि यह एक धीमा संकेतक है। टेक्सास और फ्लोरिडा ने शुक्रवार को बार को फिर से बंद करने का फैसला लिया।

चीन में भारी बारिश व बाढ़े से 12 मरे, कई लापता

बीजिंग। चीन में सिचुआन प्रांत के मियानिंग प्रांत में मूसलाधार बारिश व बाढ़ से दर्जनों लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लापता हो गए हैं। स्थानीय मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी। दक्षिण-पश्चिमी चीन के सिचुआन प्रांत के अधिकारियों का कहना है कि भारी बारिश के बाद कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई है और 10 लापता हैं। काउंटी सरकार ने बताया कि सिचुआन की मियानिंग काउंटी में शुक्रवार और शनिवार को तूफान के बाद बाढ़ आई और यीहाई बाढ़ से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र है। बाढ़ से क्षतिग्रस्त राजमार्ग के पास नदी में दो वाहन डूब गए। उस इलाके से 7,705 लोगों को निकाला गया है। राष्ट्रीय आपात प्रबंधन मंत्रालय ने रविवार को कहा कि जून की शुरुआत से बाढ़ का प्रकोप जारी है, जिसमें 78 लोग मारे गए या लापता हैं। 1,00,000 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हुए हैं और कुल मिला कर 25 अरब युआन से अधिक का आर्थिक नुकसान हुआ है।

वैश्विक स्तर पर कोरोना वायरस महामारी के नए रिकॉर्ड

रोम (एजेंसी)।

पूरी दुनिया में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और रविवार को इससे जुड़े दो रिकॉर्ड कायम हो गए। पूरी दुनिया में इससे मरनेवालों की संख्या पांच लाख के पार चली गई है और संक्रमितों की संख्या एक करोड़ के पार हो गई। वहीं एक दिन में संक्रमण के नए रिकॉर्ड भी कायम हुए। इन आंकड़ों ने शहरों और बाजारों को खोलने की सरकारों की कोशिश को पटरी से उतार दिया है। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबोट ने कहा, '' पिछले कुछ हफ्तों में कोविड-19 ने तेजी से टेक्सास में खतरनाक मोड़ लिया है।'' गवर्नर ने मई की शुरुआत में कारोबार शुरू करने की मंजूरी दी थी लेकिन बढ़ते मामलों को देखते हुए उन्होंने शुक्रवार को बारों को बंद कर दिया और रेस्तरां में भी बैठकर भोजन करने को सीमित कर दिया। कैलीफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसोम ने लॉस एंजिलिस समेत सात काउंटी में बार खोलने के फैसले को वापस ले लिया। उन्होंने बार को तत्काल बंद करने का आदेश दिया और अन्य आठ काउंटी को इसी तरह के फैसले लेने की अपील की। फ्लोरिडा के गवर्नर रोन डेसैन्टिस ने कहा कि फिर से फ्लोरिडा के कई समुद्र तट को बंद किया जाएगा ताकि संक्रमण के प्रसार को रोका जा सके। वहीं दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य मंत्री ज्वेलिनी मखाइज ने भी आने वाले हफ्तों में देश में तेजी से संक्रमण फैलने की आशंका व्यक्त की है। इंग्लैंड के लाइसेस्टर और स्विस नाइट क्लबों से भी संक्रमण के मामले आ रहे हैं जो यह दिखाते हैं कि यूरोप में भी संक्रमण फैल रहा है। इसी बीच पोलैंड और फ्रांस में चीजें सामान्य होने की तरफ बढ़ रही हैं। यहां वायरस की वजह से चुनावों में देरी हुई थी लेकिन अब चुनाव हो रहे हैं। यहां लोग मास्क, सामाजिक दूरी का पालन करते हुए वोट कर रहे हैं। जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि रविवार तक कोरोना वायरस महामारी की वजह से मरने वालों का आंकड़ा पांच लाख के पार चला गया। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि इस महामारी से मरने वालों की संख्या उल्लेखनीय रूप से अधिक होगी।

पूरी दुनिया में संक्रमण के मामले एक करोड़ के आंकड़े को पार कर गए। इनमें से एक चौथाई संख्या अमेरिका में हैं। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक दिन में दुनियाभर में रिकॉर्ड स्तर पर कोरोना वायरस संक्रमण के मामले दर्ज किए हैं। पिछले 24 घंटे में 189,000 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है।

मुस्लिम जनसंख्या पर जबरन नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठा रहा चीन

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन की सरकार देश में मुस्लिम आबादी पर अंकुश लगाने के अपने अभियान के तहत उइगर एवं अन्य अल्पसंख्यकों के बीच जन्म दर को घटाने के लिए सख्त से सख्त कदम उठा रही है जबकि वह देश के हान बहुसंख्यकों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। सरकारी आंकड़ों, राज्य के दस्तावेजों तथा निरोध केंद्र में पूर्व में रखे गए 30 लोगों, उनके परिवार के सदस्यों और निरोध केंद्र के पूर्व प्रबंधक के साक्षात्कारों पर आधारित एक पड़ताल के मुताबिक पहले कोई-कोई महिला जबरन गर्भनिरोध के बारे में बोलती थी लेकिन यह चलन पहले के मुकाबले ज्यादा बड़े पैमाने पर और सुनियोजित तरीके से शुरू हो चुका है। शिनजियांग के सुदूर पश्चिमी क्षेत्र में पिछले चार साल से चलाए जा रहे अभियान को कुछ विशेषज्ञ एक तरह से जनसांख्यिकीय नरसंरहार करार दे रहे हैं। साक्षात्कार और आंकड़े दिखाते हैं कि यह प्रांत अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं को नियमित तौर पर गर्भावस्था जांच कराने को कहता है, उन्हें अंतर्गर्भाशयी उपकरण (आयूडी) लगवाने के अलावा नसबंदी करवाने तथा लाखों महिलाओं को गर्भपात कराने के लिए भी मजबूर करता है। देश भर में जहां आईयूडी के इस्तेमाल और नसबंदी में गिरावट आई है वहीं शिनजियांग में ये तेजी से बढ़ रहे हैं। जनसंख्या नियंत्रण के इन उपायों पर जोर बड़े पैमाने पर लोगों को हिरासत में लेकर दिया जाता है। निरोध केंद्र में भेजे जाने को धमकी के साथ ही जन्म दर पर काबू करने में विफल रहने पर दी जाने वाली सजा का इसके लिए इस्तेमाल किया जाता है। एजेंसी ने जांच में पाया कि ज्यादा बच्चे होना निरोध केंद्रों में लोगों को भेजे जाने का बड़ा कारण है जहां तीन या उससे ज्यादा बच्चों के मां-बाप को उनके परिवार से तब तक अलग रखा जाता है जब तक कि वे बड़ा जुर्माना नहीं भर देते। पुलिस छिपे हुए बच्चों की तलाश के लिए घरों पर छापे मारती है। डरे हुए मां-बाप को चेतावनी देती है कि दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने की वजह से जुर्माना नहीं देने पर उन्हें निरोध केंद्रों में भेज दिया जाएगा। सरकार कई माओं को दूसरे या तीसरे बच्चे के जन्म के बाद आईयूडी लगवाने का आदेश देती है।

नेपाल के बाद श्रीलंका का झुकाव भी चीन की ओर, भारत से मांग चुका है मदद

इंटरनेशनल डेस्क। नेपाल के बाद श्रीलंका का झुकाव भी चीन की ओर हो गया है। श्रीलंका की राजपक्षे सरकार अंतर्राष्ट्रीय कर्जदाताओं से कर्ज लेने के प्रयास में है, परन्तु श्रीलंका को सबसे ज्यादा भरोसा चीन पर ही है कि वह ही उसे कर्ज देगा। एक अंग्रेजी अखबार द हिन्दू के अनुसार, श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से निजी तौर पर आग्रह किया था कि आर्थिक संकट को देखते हुए वह श्रीलंका को कर्ज चुकाने के लिए और मोहलत दें। राजपक्षे ने शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई.एम.एफ.) से कर्ज से राहत देने का अनुरोध किया है। श्रीलंका के प्रधानमंत्री कार्यालय का कहना है कि श्रीलंका ने सभी कर्जदाताओं से कर्ज चुकाने के लिए मोहलत देने की अपील की है और इसमें भारत भी शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, 96 करोड़ डॉलर के भारतीय कर्ज की अदायगी को लेकर और मोहलत देने पर श्रीलंका व भारत में बात हो रही है। इसके अलावा श्रीलंका ने भारत से मुद्रा की अदला-बदली की सुविधा की मांग भी की है। भारत के विदेश मंत्रालय का कहना है कि , लेकिन अभी तारीख तय नहीं हो पाई है। श्रीलंका को वर्चुअल बैठक के लिए कहा गया है, लेकिन अभी तारीख तय नहीं हो पाई है। श्रीलंका ने वर्चुअल बैठक को लेकर अभी कुछ भी नहीं कहा है। पिछले हफ्ते श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाभाया राजपक्षे ने यूरोपीय यूनियन के राजदूत के एक समूह से कहा था कि श्रीलंका को नए निवेश की जरूरत है न कि नए कर्ज की। इसके साथ ही उन्होंने कर्ज चुकाने में और मोहलत देने की मांग की थी। कोरोना वायरस की महामारी के वक्त से ही श्रीलंका कर्ज को चुकाने में आ रही समस्या से जूझ रहा है।

चीन से तंग आई दुनिया, जापान में मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने खोला जिनपिंग के खिलाफ मोर्चा

टोक्यो (एजेंसी)।

लद्दाख सीमा विवाद को लेकर भारत-चीन के बीच तनाव चरम पर है। इस मामले को लेकर अमेरिका सहित कई बड़े देश भारत के पक्ष में खड़े हैं और मानते हैं कि चीन जानबूझ कर उकसावे की कार्रवाई कर टेंशन बढ़ा रहा है। दुनिया के कई देश चीन के रवैये से तंग आ चुके हैं। इस बीच रविवार को जापान में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के खिलाफ कई मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। टोक्यो में शिबुया स्टेशन के पास हाचिको की प्रतिमा के सामने खड़े होने वालों में जापानी, भारतीय, ताइवानी, तिब्बतीयन और कई अन्य देशों के मानवाधिकार कार्यकर्ताओं शामिल थे। ये सभी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की विस्तारवादी सोच के खिलाफ सड़क पर उतरे थे। जाहिर है पिछले कुछ सालों में महत्वाकांक्षी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने काफी उग्रता के साथ सभी पड़ोसी देशों के क्षेत्रों पर अतिक्रमण करने की कोशिश की है। चाहे वो जापान हो, फिलीपिंस, वियतनाम, भारत, या भूटान। चीन ने साउथ चाइना सी, ईस्ट चाइना सी पर भी अपना दावा किया है जिसको लेकर आशियान देशों में भी नाराजगी है। दरअसल चीन के लोकतंत्र को खत्म करने की महत्वकांशा के चलते वह दुनिया भर के लिए मुसीबत बना हुआ है। राष्ट्रपति शी ने चीन के अंदर भी लोकतंत्र को तो खत्म कर दिया है और पिछले एक साल से हांगकांग में चल रहे विरोध प्रदर्शन और चीनी राष्ट्रपति द्वारा उसे दबाने की कोशिश भी इसी सोच का नतीजा है। हालात यह है कि जिनपिंग के खिलाफ उठने वाले सभी आवाजों को दबा दिया गया है। 1950 तक खूबसूरत और शांति प्रिय कहलाने वाला बौद्ध देश तिब्बत आज चीन के विस्तारवाद का शिकार बन गया है। वहीं ताइवान जैसा प्रोग्रेसिव और एडवांस सोच वाला देश भी चीन की कार्यनीतियों की वजह से काफी दबाव झेल रहा है। अभी हाल ही में ताइवान ने चीन की शर्त को ठुकराते हुए वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन की मीटिंग में भाग लेने से मना कर दिया था। जाहिर है ताइवान डब्ल्यूएचओ का सदस्य नहीं है और वह वर्ल्ड हेल्थ असेंबली में पर्यवेक्षक के तौर पर भाग लेने के लिए कोशिश कर रहा था। चीन ने ताइवान को अपना हिस्सा बताते हुए उसे ऐसा करने से मना कर दिया। कोशिश कर रहा था। चीन ने ताइवान को अपना हिस्सा बताते हुए उसे ऐसा करने से मना कर दिया। जिनपिंग ने अपनी बादशाहत को बरकरार रखने के लिए चीनी कम्यूनिस्ट सिस्टम को भी बरगलाया है। यही वजह है कि आज वहां के नागरिक भी अब इससे पीछा छुड़ाना चाहते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हनीट्रैप मामले में खोजी पत्रकार व कारोबारी जीतू सोनी गुजरात से गिरफ्तार

इन्दौर की क्राइम ब्रांच ने कोर्ट में पेश किया 3 जुलाई तक मिला पुलिस रिमांड

क्रांति समय (सुरत)

इन्दौर (एजेंसी)। हनीट्रैप सहित करीब 64 आपराधिक मामले में करीब 6 माह से अधिक समय से फरार चल रहे खोजी पत्रकार व कारोबारी जीतू सोनी को इंदौर क्राइम ब्रांच ने शनिवार रात गुजरात से गिरफ्तार कर लिया। उसकी गिरफ्तारी पर 1.50 लाख रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार जीतू उर्फ जितेंद्र सोनी पर शहर के ज्यादातर थानों में मानव तस्करी, दुष्कर्म, अपहरण, धोखाधड़ी, अवैध वसूली के करीब 64 मुकदमें दर्ज हैं।

उल्लेखनीय है कि तत्कालीन 'कमलनाथ सरकार' के कार्यकाल के दौरान 31 नवंबर को पुलिस ने पहली बार जीतू सोनी के होटल 'माय होम' सहित कई ठिकानों पर छापे मारे थे। उस वक्त जीतू सोनी को पुलिस की गिरफ्त में नहीं आया था, लेकिन उनके पुत्र अमित सोनी को पुलिस ने धरदबोचा था।

इन्दौर लाने पर जीतू सोनी को मेडिकल के लिए एम.वाय. अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद उन्हें जिला कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे 3 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर सौंप दिया गया है।

चार दिन पूर्व क्राइम ब्रांच की टीम गुजरात के अमरेली से उसके बड़े भाई महेंद्र को पकड़ कर लाई। तब जीतू सोनी राजकोट स्थित एक फार्म हाउस से बेटे विक्की सोनी व भतीजे जिग्नेश सोनी को लेकर भाग गया। शुक्रवार को दोबारा लोकेशन निकाली गई ओर छह टीमों ने अलग अलग जगहों पर छापे मारे। इस बार भागने का मौका नहीं दिया और जीतू सोनी को उनके पैतृक गांव धारग्नि तहसील चलाला जिला अमरेली गुजरात से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस महानिरीक्षक विवेक शर्मा व उप पुलिस महानिरीक्षक हरिनारायण चारी मिश्र ने शाम पत्रकार वार्ता का आयोजन कर जीतू सोनी की गिरफ्तारी के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि जीतू सोनी उर्फ जितेन्द्र सोनी थाना पलासिया के अपराध क्रमांक 496/19 धारा 370(3), 346, 120 बी भादवि व अन्य अपराधों में फरार था। जीतू सोनी उर्फ जितेन्द्र सोनी एवं अन्य आरोपियों की तलाश के लिए अपराध शाखा की 6 टीमों का गठन किया गया था।

सोनी के गुजरात में होने की सूचना मिलने के बाद इन टीमों को तत्काल गुजरात के लिए रवाना किया गया। पुलिस दल ने पुनः जिला अमरेली में दो स्थानों पर एवं जिला राजकोट गुजरात में एक स्थान पर फरार आरोपी जीतू सोनी एवं इससे संबंधित फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए दबिश दी। इसी दौरान टीमों को आरोपी

जीतू सोनी की उसके पुश्तैनी गांव धारग्नि तहसील चलाला जिला अमरेली गुजरात में होने की सूचना मिली। तत्काल पुलिस दल ने जीतू सोनी के पुश्तैनी गांव में बने मकान की घेराबंदी कर सुबह 03.30 बजे दबिश दी और जीतू सोनी को धरदबोचा। पुलिस ने बताया कि जीतू सोनी 4 बजे किसी अन्य स्थान पर जाने की तैयारी में था। आरोपी जीतू सोनी से प्रारंभिक पूछताछ बताया कि उसके विरूद्ध थाना पलासिया में अपराध पंजीबद्ध होने के बाद से राजकोट, अहमदाबाद, अमरेली (गुजरात) एवं मुम्बई (महाराष्ट्र) में मलाड, ओशीबारा आदि जगह पर फरारी काटी थी।

गिरफ्तारी के बाद इन्दौर लाकर जीतू सोनी को पूछताछ व अग्रिम कार्यवाही के लिए पलासिया पुलिस के सुपुर्द किया गया। थाना पलासिया जिला इन्दौर में पंजीबद्ध अपराध क्रमांक 496/19 धारा 370(3), 346, 120 बी भादवि में प्राथमिकी रुप से आरोपी जीतू सोनी की गिरफ्तारी की गई है और अन्य थानों के द्वारा भी गिरफ्तारी की जा रही है। आरोपी जीतू सोनी से विस्तृत पूछताछ हेतु पुलिस रिमांड लिया जा रहा है।

जीतू सोनी के अतिरिक्त अन्य फरार आरोपियों की तलाश व गिरफ्तारी हेतु क्राईम ब्रांच की टीम के द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार फरार आरोपी जीतू उर्फ जितेन्द्र सोनी कुल 45 अपराधों में वान्डेट था। जीतू सोनी के परिवार के अन्य सदस्यों में भाई हुकुम सोनी, पुत्र विक्की सोनी, भतिजा जिग्नेश सोनी, लक्की सोनी व अन्य जीतू सोनी के साथ कुछ प्रकरणों मे सहअभियुक्त है।

अब तक उनके पुत्र अमित सोनी और भाई मेहेन्द्र सोनी की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि परिवार के अन्य 8 सदस्य व 25 अधिक सहअभियुक्त की गिरफ्तारी अन्य मामलों में होना शेष है। गत वर्ष 1 दिसम्बर को पलासिया थाने में धारा 370 (3), 346, 120 बी भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध (अ.क्र. 496/19) होने से पूर्व भी जीतू सोनी के विरुद्ध थाना पलासिया, एम.आई.जी., तुकोगंज सहित कुल 17 अपराधों का वर्ष 1991 से लगातार अपराधिक रिकार्ड रहा है। जीतू उर्फ जितेन्द्र पिता जगजीवन दास सोनी (उम्र 62) निवासी – 117 कनाडिया रोड़ इन्दौर के विरुद्ध अब तक 64 अपराध पंजीबद्ध हुये है।

:: सोनी के विरूद्ध थानों में दर्ज प्रकरणों की फेहरीस्त ::

थाना पलासिया : अपराध क्र. 496/19 धारा 370 (3), 346, 120बी भादवि एवं पेटा एक्ट, अपराध क्र. 497/19, धारा 394, 294, 506, 34 भादवि, अपराध क्र. 499/19 धारा 195, 34 भादवि,

थाना कनाडिया : अपराध क्र. 603/19 धारा 353,34 भादवि, अपराध क्र. 604/19 धारा 25 आर्म्स एक्ट,

थाना एम.आई.जी. : अपराध क्र. 651/19, धारा 66 (ई), 67, 67(ए), आईटी एक्ट एवं 294, 509, 500 भादवि,

थाना तुकोगंज : अपराध क्र. 673/19 धारा 188 भादवि, अपराध क्र. 675/19, धारा 120, 406, 448, 294, 507, 120 बी भादवि, अपराध क्र. 678/19 धारा 420, 406, 448, 387, 388, 389, 506 भादवि,

थाना लसुडिया : अपराध क्र. 1323/19 धारा 294, 506, 384, 34 भादवि

थाना राजेन्द्र नगर : अपराध क्र. 838/19 धारा 406, 420, 386, 34 भादवि,

थाना सदर बाजार : अपराध क्र. 369/19 धारा 386, 387, 420, 506, 34 भादवि,

थाना खजराना : अपराध क्र. 1209/19 धारा 420, 448,

थाना जूनी इन्दौर : अपराध क्र. 471/19 धारा 406, 409, 420, 386, 387, 506 34 भादवि

:: 1.50 लाख रू. का इनाम घोषित था ::

आरोपी जीतू सोनी की गिरफ्तारी हेतु 1,50,000/– से अधिक के इनाम घोषित किया गया है। आरोपी जीतू उर्फ जितेन्द्र सोनी के परिवार के अन्य फरार सदस्यों पर विभिन्न अपराधो में इनाम की घोषणा की गई है। जीतू सोनी कुल 47 मामलों में वान्डेट होकर पूर्व से 17 अपराधिक मामले इन्दौर शहर के अन्य थानों में दर्ज है, इस प्रकार कुल 64 अपराध जीतू सोनी के विरुद्ध पंजीबद्ध है।

:: सभी प्रकरण राजनीति से प्रेरित, उच्चस्तरीय जॉच हो : जीतू सोनी

कोर्ट में पेश किये जाने के बाद जीतू सोनी ने पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा कि मुझ पर लादे गए सारे प्रकरण फर्जी होकर राजनीति से प्रेरित हैं। सम्पूर्ण मामले की उच्चस्तरीय जॉच होनी चाहिए, जिससे सच सबके सामने आए। उन्होने यह भी कहा कि मामले में दोषी अधिकारियों पर भी कार्यवाही होना बेहद जरूरी है। उल्लेखनीय है कि थाना पलासिया, एम.आई.जी. एवं अन्य थानों में पंजीबद्ध करीब 64 मामलों में 6 माह से फरार जीतू सोनी को इन्दौर की क्राइम ब्रांच पुलिस ने अमरेली पुलिस की मदद से उनके पैतृक गांव धारग्नि, तहसील चलाला, जिला अमरेली (गुजरात) से गिरफ्तार किया।

दंपत्ति समेत तीन 3 गिरफ्तार

किराए के मकान में चल रहे सेक्स रैकेट का पर्दाफाश,

अहमदाबाद, शहर के श्यामल क्षेत्र के श्यामल रॉ हाउस के एक मकान में महिला क्राइम ने रेड कर सेक्स रैकेट चला रहे दंपत्ति समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लियाद्य किराए के मकान में उज्बेकिस्तान की युवतियों से देह व्यापार करवाया जाता था।

जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के श्यामल क्षेत्र के श्यामल रॉ हाउस के विभाग 2 के एक मकान में विदेशी युवतियों को लाकर देह व्यापार की खबर पुलिस को सूचना मिली थी।

सूचना के आधार पर पुलिस ने डमी ग्राहक को भेजाद्य जानकारी की पुष्टि की और बाद में महिला क्राइम ने मकान में रेड कर सेक्स रैकेट चलाने वाले आशा उर्फ रीतु पटेल और उसके पति तुषार पटेल और पार्टनर भरत मकवाणा को गिरफ्तार कर लिया।

जबकि उस्मान नामक शख्स फरार घोषित किया हैद्य जांच में पता चला कि रीतु और तुषार पटेल ने रु. 15000 में मकान किराए पर लिया था और यहां उज्बेकिस्तान युवतियों को लाकर सेक्स रैकेट चलाते थे।

पटेल दंपत्ति ग्राहकों से रु. 7000 से रु. 15000 वसूलते थे और उसका आधा युवतियों को देते थे।

जबकि आधी रकम खुद रखते थे। उज्बेकिस्तान की युवतियों ने पूछताछ में बताया कि उन्हें दिल्ली से उस्मान नामक शख्स ने अहमदाबाद भेजा था। सभी युवतियां इसी मकान में रहकर देह व्यापार करती थीं, ताकि किसी को शक नहीं हो।

गुजरातः अस्पताल पर 77 लाख का जुर्माना

अहमदाबाद, कोरोना वायरस (कोविड–19) से संक्रमित मरीज की मौत के बाद अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) ने एक निजी अस्पताल और उसके प्रबंधन पर 77 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि लापरवाही के आरोप में की गई कार्रवाई के साथ ही अस्पताल के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई गई है। दरअसल अहमदाबाद के राजस्थान अस्पताल में 18 जून को एक 73 वर्षीय कोरोना संक्रमित की उस समय मृत्यु हो गई थी, जब उसे दूसरे अस्पताल में शिफ्ट किया जा रहा था।

मरीज को तत्काल वेंटिलेटर सपोर्ट की आवश्यकता थी, लेकिन उसे अस्पताल का कोरोना गेट खोलने में कर्मचारियों को 20 मिनट लगने के कारण इंतजार करना पड़ा। इस दौरान उसकी मौत हो गई थी।

एएमसी के कार्यवाहक स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी भाविन सोलंकी के मुताबिक, एएमसी ने पिछले रविवार को अस्पताल को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। सोलंकी ने कहा, हमने इस मामले में कुल 77 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

इसमें से 25 लाख रुपये राजस्थान अस्पताल को चुकाने हैं, जबकि 2–2 लाख रुपए अस्पताल के 8 बोर्ड सदस्यों और 18 ट्रस्टियों में से हर एक से वसूले जाएंगे। जुर्माने की रकम का उपयोग कोरोना पीडितों के इलाज में किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस मामले में शाहीबाग पुलिस थाने में एक एफआईआर भी लापरवाही से मौत और आपराधिक साजिश के आरोप में आईपीसी की धाराओं के तहत दर्ज कराई गई है।

एक जुलाई से अहमदाबाद से गोरखपुर के लिए चलनेवाली

स्पेशल ट्रेन के टाइम टेबल में बदलाव

अहमदाबाद, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग व उनकी सुविधा के लिए अहमदाबाद से गोरखपुर के लिए चलाई जा रही ट्रेन संख्या 09089/09090 अहमदाबाद–गोरखपुर स्पेशल ट्रेन के टाइम टेबल में एक जुलाई 2020 से बदलाव किया जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार झा के अनुसार 1 जुलाई 2020 से ट्रेन संख्या 09089 अहमदाबाद– गोरखपुर स्पेशल प्रतिदिन 22:40 बजे चलकर तीसरे दिन प्रातः 8:00 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 09090 गोरखपुर – अहमदाबाद स्पेशल प्रतिदिन सुबह 10:00 बजे गोरखपुर से चलकर अगले दिन शाम 18:35 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

इस दौरान यह स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में बड़ोदरा,सूरत, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, प्रयागराज छिवकी व वाराणसी स्टेशनों पर परिवर्तित समयानुसार ठहरेगी। इस ट्रेन में स्लीपर, थर्ड एसी ,सेकंड एसी व सामान्य श्रेणी (रिजर्व) कोच रहेंगे। उल्लेखनीय है कि यह ट्रेन अहमदाबाद से वाया सूरत होकर चलाई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने एक हजार सरकारी स्कूलों में रेन वोटर हार्वेस्टिंग प्रोजेक्ट का किया ई-लोचिंग

क्रांति समय (सुरत)

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने राज्य के सरकारी स्कूलों की इमारतों और अन्य सरकारी भवनों में बरसाती पानी के संग्रह के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग यानी वर्षा जल संचयन पद्धति अपनाकर जल संचय करने का आह्वान किया है। वे सोमवार को वडोदरा जिले के सरकारी स्कूलों में वर्षा जल संचयन के देशभर में पहले सफल प्रयोग के गांधीनगर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ई–लॉन्चिंग अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जल ही जीवन है और पानी ही विकास का आधार है तब बरसाती पानी की भूगर्भ जल संग्रहण टंकी जैसी अपनी प्राचीन परंपरा को नए दृष्टिकोण के साथ अपनाकर जल सुरक्षा के लिए सभी को सामूहिक प्रयास करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने राज्य में पानी की कमी को अतीत की बात बनाने के संकल्प के साथ राज्य सरकार द्वारा पिछले तीन वर्ष से जन सहयोग के जरिए शुरू किए गए सुजलाम सुफलाम जल अभियान पर विस्तार से रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि नदी, तालाब और चेकडैम को गहरा कर गाद व मिट्टी निकालकर बरसाती पानी के अधिकाधिक संग्रहण के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2018 से शुरू किए गए इस अभियान में इस वर्ष कोरोना संक्रमण की चुनौती के बावजूद समग्र रूप से तीन वर्ष में हम जल संग्रहण क्षमता में 40628 लाख घन फुट की बढ़ोतरी कर सके हैं। गुजरात को वाटर सरप्लस स्टेट बनाने की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सुजलाम सुफलाम जल अभियान के अलावा रीयूज ऑफ वाटर (जल का पुनः उपयोग), समुद्र के खारे पानी को पीने योग्य बनाने के लिए 10 डिसेलिनेशन प्लांट की स्थापना की योजना और नगरों एवं महानगरों में गंदे पानी को शुद्ध कर उसका उद्योगों और खेतीबाड़ी में पुनः उपयोग करने जैसे ठोस कार्य कर गुजरात ने देश को नई राह दिखाई है। रूपाणी ने भावी विकास की चरम सीमा को पार करने में पानी को ही विकास का आधार करार दिया। उन्होंने आफत को अवसर में पलटने के गुजरात के संस्कार को उजागर करने की प्रेरणा देते हुए कोरोना के बीच कोरोना के खिलाफ जंग कर कोरोना को हराने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि वडोदरा जिला प्रशासन ने जिले के सरकारी प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल के लगभग 1000 भवनों का चरणबद्ध तरीके से समावेश करते हुए इन स्कूल भवनों में बरसाती पानी के संग्रहण के प्रोजेक्ट को केवल नौ महीने की अल्पावधि में पूरा किया है। कुल मिलाकर 6 करोड़ रुपए की लागत से साकार हुए इस प्रोजेक्ट में कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के अंतर्गत सार्वजनिक उपक्रमों और जिला प्रशासन के विभिन्न सरकारी अनुदानों तथा डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन फंड आदि का वित्तीय सहयोग प्राप्त हुआ है। वडोदरा जिले ने पूरे देश में अपनी तरह की अनोखी पहल कर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के सभी सरकारी प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में शुरू किए गए इस रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रोजेक्ट के परिणामस्वरूप सालाना करीब 10 करोड़ लीटर बरसाती पानी न सिर्फ व्यर्थ बहने से बचेगा बल्कि संग्रहण के कारण उसका समुचित उपयोग भी हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने जल संचय–जल संरक्षण की इस अभिनव पहल के लिए वडोदरा जिले को बधाई देते हुए कहा कि पानी परमेश्वर का प्रसाद है और उसकी एक–एक बूंद का किफायत से सदुपयोग करने तथा भावी पीढ़ी के लिए जल सुरक्षा का यह प्रयोग सभी के लिए प्रेरणादायी साबित होगा। मुख्यमंत्री ने वर्षा जल संचयन प्रोजेक्ट के ई–लॉन्चिंग के साथ ही डभोई समूह जलापूर्ति योजना चरण–1 के अंतर्गत 124.51 करोड़ रुपए की योजना से 118 गांवों और 30 नर्मदा कॉलोनियों के लिए नर्मदा नहर आधारित पानी योजना का लोकार्पण और इसी योजना के चरण–3 के 43.94 करोड़ रुपए

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)